डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2018/2016
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

वर्ष : 09 अंक : 01 जनवरी 2023 मूल्य: ₹ 30 पृष्ठ : 44

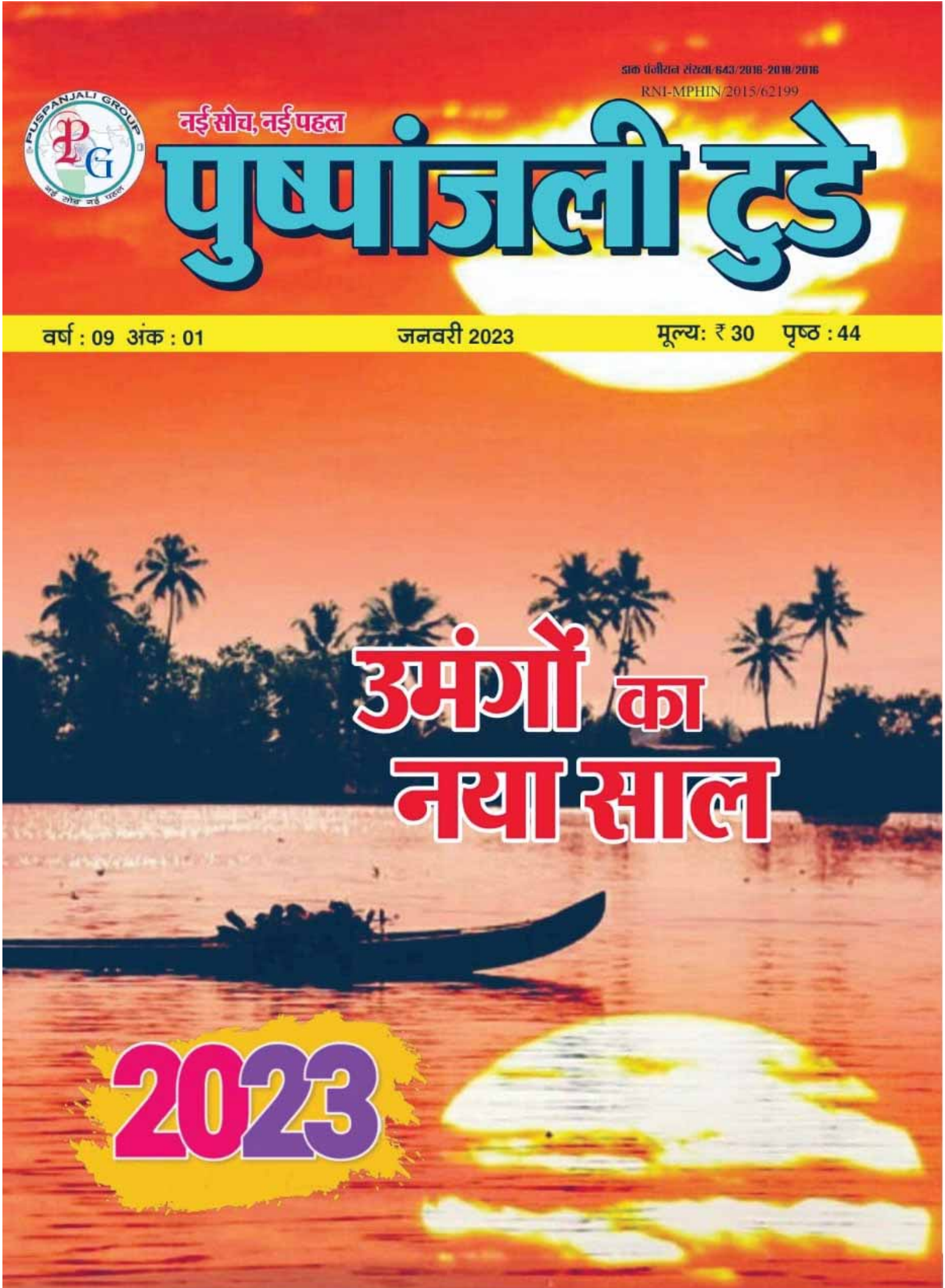

उमंगों का नया साल

2023

देश-दुनिया में छाया मप्र

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव भले ही साल के अंत में होने हैं, लेकिन सत्ताधारी भाजपा ने अभी से फील्डिंग जमानी शुरू कर दी है। इंदौर में अभी अंतरराष्ट्रीय प्रवासी भारतीय सम्मेलन के आयोजन हो रहे हैं। दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश में कई बड़े आयोजन होने हैं। इनमें 30 जनवरी से 11 फरवरी के बीच प्रदेश के आठ शहरों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ। जबकि 13 से 15 फरवरी के बीच इंदौर जी-20 देशों के सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इसमें

जी-20 देशों के कृषि मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा 21 से 24 फरवरी के बीच प्रदेश की राजधानी भोपाल में आठवां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आयोजित होगा। इन तमाम आयोजन के पीछे भाजपा अपना राजनीतिक फायदा देख रही है। केंद्र सरकार की नीतियों के साथ साथ प्रदेश सरकार भी अपनी नीतियों का जमकर प्रचार प्रसार करती हुई नजर आ रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया है। साथ ही साथ उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद भारत सुधार, परिवर्तन और प्रदर्शन के पथ पर अग्रसर है। वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ऐसे समय में हो रही है जब भारत अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। हम विकसित भारत के निर्माण के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मध्य प्रदेश की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। भक्ति और अध्यात्म से पर्यटन तक और कृषि से शिक्षा और कौशल विकास तक, एमपी अजब भी है, गजब भी और सजग भी है। उन्होंने कहा कि जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो बात देशवासियों की आकांक्षा की ही नहीं, उनके संकल्प की भी होती है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के विकास और अभूतपूर्व प्रगति को लेकर न केवल भारतीय, बल्कि इस पूरी दुनिया का हर व्यक्ति और हर संगठन पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि एक स्थिर सरकार, एक निर्णायक सरकार और सही नीयत से चलने वाली सरकार विकास को अभूतपूर्व गति देती है।

जब दुनियाभर के देशों में भारत का डंका बजाने वाले प्रवासी भारतीयों की महफिल इंदौर में सजी हो, जब दो देशों के राष्ट्राध्यक्ष उस महफिल में विराजित हों, जब केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपाल और मुख्यमंत्री की एक पूरी कतार खड़ी हो, जब पूरा देश टीवी पर दत्तचित्त होकर इस सभा के एक-एक शब्द को गौर से सुन रहा हो...तब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मध्य प्रदेश की खुलकर प्रशंसा करने के मायने बहुत गहरे हैं। प्रधानमंत्री ने इंदौर की धरती पर बोलते हुए देश के दिल अर्थात मध्य प्रदेश के प्रति जिस तरह अपना प्रेम और सम्मान जताया, वह भूतो न भविष्यति है। निकट भूतकाल में देश के किसी अन्य राज्य के प्रति मोदी ने दिल खोलकर ऐसा अपनापन व्यक्त किया हो, ऐसा सुनाई-दिखाई नहीं पड़ता। इस बात का विश्लेषण तो राजनीति के जानकार, भाषाविद् और बाडी लैंग्वेज के विशेषज्ञ करेंगे कि मोदी द्वारा मध्य प्रदेश की मनहर प्रशंसा करने के क्या मायने हैं, किंतु नईदुनिया का विश्लेषण बताता है कि देश के मुखिया द्वारा मप्र को लेकर कहे गए एक-एक शब्द के हजार-हजार मायने हैं।जब प्रधानमंत्री ने इंदौर शहर को लेकर यह कहा कि - यह इंदौर नहीं बल्कि नया दौर है, तब दरअसल वे संकेत कर रहे थे कि यह वह शहर है, जो सही अर्थों में आज के भारत का सच्चा प्रतिनिधि है। इंदौर तेजतर्रार है और आज का भारत भी। इंदौर भविष्य के सपने बुन रहा है और आज का भारत भी। इंदौर अपने सपनों को सच करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करता है और भारत भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में परिश्रम से पीछे नहीं हटता। इंदौर स्वच्छता के प्रति आग्रही है और भारत के अन्य शहर भी अब इंदौर से स्वच्छता का ककहरा सीख रहे हैं। इंदौर अपने गौरवशाली अतीत, भारत की महान संस्कृति और लोक-जीवन के संस्कारों को कभी भूलता नहीं, इसी तरह भारत भी इन महान मूल्यों का प्रबल पक्षधर है तथा मोदी के नेतृत्व में इन मूल्यों का परिपालन कर रहा है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इंदौर व मध्य प्रदेश की प्रशंसा में कहे गए शब्दों में बिटविन द लाइंस बहुत कुछ छुपा हुआ है। मध्य प्रदेश को अपने हृदय के करीब बताते हुए जब मुखिया मोदी बोल रहे थे तब उनके शब्दों का यही निहितार्थ था कि मध्य प्रदेश वह राज्य है, जिसके पास श्री महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर जैसे अध्यात्म व धर्म के दो अद्भुत प्रतिमान हैं, जिसके पास इतनी प्रचुर वन संपदा है कि जितनी यूरोप के कई देशों को मिलाकर भी नहीं है।

भरत सिंह चौहान

संपादक

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव भले ही साल के अंत में होने हैं, लेकिन सत्ताधारी भाजपा ने अभी से फील्डिंग जमानी शुरू कर दी है। इंदौर में अभी अंतरराष्ट्रीय प्रवासी भारतीय सम्मेलन के आयोजन हो रहे हैं। दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश में कई बड़े आयोजन होने हैं। इनमें 30 जनवरी से 11 फरवरी के बीच प्रदेश के आठ शहरों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ। जबकि 13 से 15 फरवरी के बीच इंदौर जी-20 देशों के सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इसमें जी-20 देशों के कृषि मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा 21 से 24 फरवरी के बीच प्रदेश की राजधानी भोपाल में आठवां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आयोजित होगा। इन तमाम आयोजन के पीछे भाजपा अपना राजनीतिक फायदा देख रही है। केंद्र सरकार की नीतियों के साथ साथ प्रदेश सरकार भी अपनी नीतियों का जमकर प्रचार प्रसार करती हुई नजर आ रही हैं।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 09, अंक 01 ,जनवरी 2023

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	आर. एन. शर्मा
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता, महेन्द्र शर्मा, छोटे सिंह भदौरिया, रघुवरदयाल गोहिया पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र) संदीप प्रधान (मप्र) प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर
स्टेट हेड

पंकज त्रिपाठी	मध्यप्रदेश
अश्वनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
नरेंद्र शर्मा	हरियाणा
आनंद कुमार शाही	झारखण्ड
मनोज कुमार	बिहार
नारायण लाल	कर्नाटक
दीपक रहलन	पंजाब
नैनाराम सिरवी	राजस्थान
अमित कुमार	जम्मू-कश्मीर (यूटी)
अनिल कुशवाह	प्रभारी मप्र

ब्यूरो चीफ

गौरी शंकर कुशवाह	सागर संभाग, मध्यप्रदेश
केशव प्रसाद शर्मा	चम्बल संभाग
रूप सिंह	कानपुर मंडल उत्तरप्रदेश
हरिचरण प्रजापति	पन्ना मध्यप्रदेश
पवन कुमार शाही	गोपालगंज बिहार
राम दयाल गौतम	अम्बेडकर नगर उत्तरप्रदेश
मोहित शर्मा	विदिशा मध्यप्रदेश
रितेश कटरे	बालाघाट मध्यप्रदेश
मुन्ना खान	खरगोन मध्यप्रदेश
विनोद पाठक	श्योपुर मध्यप्रदेश
सोनू कुमार माथुर	एटा उत्तरप्रदेश
हरिनिवास दुबे	मथुरा उत्तरप्रदेश
किरण राठौर	औरैया उत्तरप्रदेश
मोहन मांझी (मोनू बाथम)	गोहद, भिण्ड

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

इस अंक में पढ़ें

पुष्पांजली टुडे रिपोर्टर

आदित्य सिंह	सोशल रिपोर्टर ऑल इंडिया
सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया
संतोष भदौरिया	मध्यप्रदेश
गौरव शर्मा	मध्यप्रदेश
अमित शर्मा	मध्यप्रदेश
रहीश खान	ग्वालियर संभाग
उमाकांत शर्मा	चम्बल संभाग
भरत राजपूत	अहमदाबाद, गुजरात
हरिओम परिहार	शिवपुरी क्राइम रिपोर्टर
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड क्राइम रिपोर्टर
प्रतीश अग्रवाल	गुना मध्यप्रदेश
अभिषेक कुशवाह	सिरोंज, विदिशा
हेमचंद नागेश	उरमल मैनपुर छत्तीसगढ़
आकाश मिश्रा	गरियाबंद छत्तीसगढ़
विजय चौधरी	हज़ारीबाग
प्रवीन कुमार राज	हज़ारीबाग
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
शिवकांत ओझा	रौन,भिण्ड
चेतना कारले	खरगोन

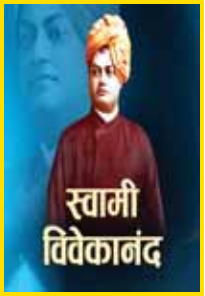

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2023 का शुभारंभ

प्रवासी भारतीय विश्व में भारत के ब्रांड एंबेसेडर है

वे विश्व की भारत के प्रति बढ़ती जिज्ञासा को शांत करें : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सदियों से विश्व को भारत को जानने की उत्सुकता रही है। भारतीय दर्शन, संस्कृति, हमारे जीवन मूल्य, हमारी वैश्विक दृष्टि, हमारी गौरवशाली परंपराएँ और आज के युग में भारत की मजबूत होती अर्थ-व्यवस्था, विज्ञान, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं अंतरिक्ष विज्ञान सभी विशिष्ट है और विश्व के आकर्षण का केंद्र हैं। आज वैश्विक मंच पर भारत की अपनी एक अलग आवाज, अपनी एक अलग पहचान है, जो आने वाले समय में और मजबूत होगी। भारत के प्रति विश्व की जिज्ञासा बढ़ेगी। प्रवासी भारतीयों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि विश्व की भारत के प्रति इस बढ़ती हुई जिज्ञासा को शांत करें। वे भारत के ÷सस्टेनेबल फ्यूचर÷ के मॉडल को विश्व भर में प्रचारित करें।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत न केवल विश्व के ज्ञान का केंद्र है, बल्कि इसमें विश्व की दक्षता राजधानी बनने का सामर्थ्य है। भारत दुनिया के विकास का इंजन बन सकता है। प्रवासी भारतीय, मेक इन इंडिया, योग, आयुर्वेद, कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, मोटे अनाज को विश्व में प्रचारित करने में अपना अमूल्य योगदान दें।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली और विशिष्ट अतिथि सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत का ह्रदय प्रदेश मध्यप्रदेश अपनी विशेष पहचान रखता है। यहाँ का नर्मदा जल, यहाँ के वन, आदिवासी परंपराएँ, यहाँ का अध्यात्म सब कुछ विशिष्ट और अविस्मरणीय है। उज्जैन में श्री महाकाल महालोक दिव्य और भव्य है। वहाँ जाकर भगवान श्री महाकाल के दर्शन अवश्य करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर अद्भुत शहर है। इंदौर एक दौर है, जो समय से आगे चलता है, फिर भी अपनी विरासत को समेटे रहता है। उन्होंने इंदौरी लहजे में कहा कि ÷अपन का इंदौर पूरी दुनिया में लाजवाब है। यहाँ के नमकीन, पोहा, साबूदाना खिचड़ी, कचोरी, समोसे मुँह में पानी लाते हैं। यह भारत का स्वच्छतम शहर तो है ही, स्वाद की राजधानी भी है। यहाँ का अनुभव आप भुला नहीं पाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष भारत को जी-20 समूह की अध्यक्षता का गौरव प्राप्त हुआ है। ऐसे समय में प्रवासी भारतीयों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यह दुनिया को भारत के विषय में बताने का मौका है। अतिथि देवो भव की परंपरा को निभाते हुए इस अवसर को ऐतिहासिक बनाएँ। जब प्रतिभागी अपने देश लौट के जाएँ, तो वहाँ रहने वाले भारतीय उन्हें बुलाएँ, उनके साथ संवाद करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज प्रवासी भारतीयों का पूरे विश्व में श्रेष्ठ योगदान है। वे समर्थ और सशक्त भारत के निर्माण में संलग्न हैं। वे जहाँ रहते हैं भारत को अपने साथ, अपने दिल में रखते हैं। भारत के प्रति उनका

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका बनाई : मुख्यमंत्री चौहान

कमिटमेंट है। वे भारत के हित में हमेशा कार्य करते रहते हैं। प्रवासी भारतीयों द्वारा पूरे विश्व में किए गए श्रेष्ठ कार्यों का दस्तावेजीकरण किया जाए। उनके कार्यों को ऑडियो-वीडियो माध्यम से प्रचारित किया जाए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारतीय मूल के जो व्यक्ति विदेश में जन्में हैं, उन्हें भी उनके माता-पिता के देश के बारे में जानने की उत्सुकता है। उन्हें भारत दिखाएँ, भारत की परंपराओं से परिचित कराएँ।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली और सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा बताई गई बातें बहुत उपयोगी हैं। मोदी ने गले मिल कर दोनों का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन पर मध्यप्रदेश में हर्ष का वातावरण है। आजादी के अमृत काल में इंदौर में तो अमृत वर्षा हो रही है। इंदौरवासियों ने दिल के और घरों के द्वार प्रवासी भारतीयों के स्वागत में खोल दिए हैं। अनेक नागरिक अपने घरों में अतिथियों को ठहराने के लिए खुले दिल से आगे आएँ। मेहमानों का यादगार सत्कार किया गया है। प्रवासी भारतीय दिवस को यादगार बनाने इंदौर के नमो ग्लोबल उद्यान में 66 राष्ट्र के लोग पौधे लगाने आए। यह सराहनीय कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सशक्त और संपन्न भारत के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आत्म-निर्भरता, स्वच्छता और मजबूत अर्थ-व्यवस्था के मंत्र दिए हैं। मध्यप्रदेश में उनके मंत्र को जमीन पर उतारा जा रहा है। उनके स्वच्छता के आह्वान को तो इंदौर ने ऐसा स्वीकारा है कि स्वच्छता के लिए एक-एक नागरिक ने झाड़ू उठा ली। इंदौर एक-दो बार नहीं, पूरे छह बार देश का सबसे साफ-सुथरा शहर बना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ज्ञान, आत्म-निर्भरता को समझा और लागू किया है। नागरिक होने के नाते इसमें सभी सहयोगी बनें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद के शब्द याद आते हैं, जब उन्होंने सौ साल पहले कहा था कि महानिशा का अंत निकट है। अब भारत माता अंगड़ाई लेकर विश्व को नेतृत्व देने आगे बढ़ रही है। एक नरेंद्र जी (स्वामी विवेकानंद) के शब्दों को दूसरे नरेंद्र (प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी) चरितार्थ कर रहे है। वे दुनिया को प्रेम और शांति का संदेश देने की बात करते हैं। ऐसा कार्य मोदी जी ही कर सकते हैं। जब रूस और यूक्रेन का युद्ध हुआ तो भारतीय विद्यार्थी तिरंगा थामे बढ़ गए, मोदी जी ने राह निकाली। विद्यार्थी सुरक्षित रहे। मोदी जी ने सभी के सुख-समृद्धि की राह भी निकाली है। भारत विश्व में नेतृत्वकारी भूमिका में आगे आया है। वे दिलों पर राज करते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में मंच पर पहुँचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी और अन्य अतिथियों का अभिवादन कर स्वागत किया। सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी ने कहा कि मां और मातृभूमि स्वर्ग से बढ़ कर हैं, भारत के स्वच्छतम शहर और स्मार्ट सिटी इंदौर में मिले प्रेम, सम्मान और सत्कार ने इस अनुभूति को साकार कर दिया। प्रवासी भारतीय सम्मेलन दोनों देशों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। राष्ट्रपति श्री संतोखी ने प्रवासी भारतीयों के लिए कैरेबियन देशों सहित अन्य देशों में हिंदी, योग, आयुर्वेद, अध्यात्म आदि पर प्रशिक्षण की व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता बताई। इससे धर्म, संस्कृति और हमारी परंपराओं को प्रवासी भारतीय समुदायों में भी सुरक्षित रखने में सहायता मिलेगी। राष्ट्रपति श्री संतोखी ने भारतीय उद्यमों और बैंकों को अपनी गतिविधियों का विस्तार कैरेबियन देशों सहित प्रवासी भारतीयों के बाहुल्य वाले देशों में करने संबंधी सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और उनकी वसुधैव कुटुंबकम के अनुरूप संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की दृष्टि से उपकृत हैं। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने अपने पूर्वजों की धरती भारत को प्रणाम तथा महात्मा गांधी का स्मरण करते हुए कहा कि आज का दिन भारत और गुयाना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति श्री इरफान अली ने कहा कि कोविड-19 काल में जब वैश्वीकरण की संपूर्ण व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, तब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशों की सहायता कर दुनिया को प्रेम और सहयोग का संदेश दिया। भारत, विश्व में प्रतिभा और टेक्नोलॉजी के विकास में अन्य देशों की तुलना में कहीं आगे है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ देश आज दुनिया को नेतृत्व प्रदान कर रहा है। राष्ट्रपति श्री इरफान अली ने भारत और गुयाना की सामाजिक और सांस्कृतिक समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा किभौगोलिक दूरी की दृष्टि से भले ही दोनों देश दूर हो पर भावनात्मक रूप से निकटता बहुत अधिक है और भविष्य में हमारे संबंध अधिक प्रगाढ़ होंगे प्रधानमंत्री श्री मोदी, सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी और गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन पर सुरक्षित जाएँ-प्रशिक्षित जाएँ की थीम पर जारी डाक टिकट का विमोचन किया।

पुष्पांजली टुडे

स्पेशल स्टोरी

आजादी की शताब्दी तक भारत आत्म-निर्भर और विश्व गुरु होगाः राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि आने वाले 25 वर्ष भारत के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारत निरंतर विश्व गुरु बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा पर है। वर्ष 2047 में जब हमारा देश आजादी की शताब्दी मना रहा होगा, तब तक हमारा देश आत्म-निर्भर और विश्व गुरु बन चुका होगा। भारत की विकास यात्रा में पूरी दुनिया के कोने-कोने में बसे प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत का संकल्प है कि विश्व में सभी का समान और न्यायोचित विकास हो। हमारा दर्शन वसुधैव कुटुंबकम का है। सारा विश्व हमारे लिए एक परिवार है। प्रवासी भारतीय, भारत के विकास के विश्वसनीय भागीदार है। हम आपको पूरी तरह भागीदार बनाना चाहते हैं। आपकी सामूहिक ताकत, इनोवेटिव आइडियाज, तकनीकी दक्षता, क्षमता भारत को आत्म-निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में तीन दिवसीय 17 वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन दिवस का समापन किया। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 27 प्रवासी भारतीयों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली और सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री चंद्रिका प्रसाद संतोखी विशेष रूप से शामिल हुए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विश्व में प्रवासी भारतीयों का विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से कला, साहित्य, राजनीति, खेल, व्यापार, लोक कल्याण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी आदि हर क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की है। आप की उपलब्धियाँ हमारे लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्रवासी भारतीय सम्मान प्रवासी भारतीयों को दिए जाने वाला देश का सर्वोच्च सम्मान है। यह उनके

भारत और अन्य देशों के लिए किए गए कार्यों और योगदान को प्रदर्शित करता है। विश्व में भारत का झंडा ऊँचा करने के लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि गत दो दशक में प्रवासी भारतीय सम्मेलन ने भारत की तरक्की में अहम भूमिका निभाई है। यह सरकार और प्रवासी भारतीय के बीच संवाद और सहयोग का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। कोरोना के कारण 2 वर्ष पहले यह सम्मेलन वर्चुअली आयोजित किया गया था। आज आप सभी से मिल कर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह सम्मेलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 9 जनवरी 2015 को अफ्रीका से भारत लौटने की गौरवमयी याद में मनाया जाता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत सरकार प्रवासी भारतीयों के कल्याण के लिए हर संभव कार्य कर रही है। उन्हें सहायता और सहयोग देने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया है। ऑपरेशन गंगा के माध्यम से यूक्रेन से भारतीय विद्यार्थियों को सम्मान पूर्वक वापस लाया गया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्रवासी भारतीय सम्मेलन के सभी सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। इनमें प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की के रास्ते खुलेंगे। सम्मेलन में विशेष रूप से महिला उद्यमियों की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। यह हमारी अर्थ-व्यवस्था को मजबूत करेगी। सम्मेलन में युवा प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी सराहनीय है। वे नई तकनीकी के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

2024 में मोदी को फिर पीएम बनाने के लिए अमित शाह ने कसी कमर

हारी हुई 160 सीटों को जीतने के लिए राजनीति के चाणक्य ने बनाई रणनीति

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए मोर्चा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने संभाल लिया है। 2019 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष रहते हुए ही भाजपा ने लोकसभा चुनावों में अकेले दम पर 303 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। इस बार अमित शाह उन लोकसभा सीटों पर खास ध्यान लगाये हुए हैं जहां भाजपा ने 2014 में चुनाव जीता लेकिन 2019 में हार गयी थी। अमित शाह की नजरें उन सीटों पर भी लगी हुई हैं जहां भाजपा बहुत कम मतों के अंतर से 2019 में लोकसभा चुनाव हार गयी थी। बताया जा रहा है कि ऐसी सीटों की कुल संख्या 160 है और इन सभी सीटों पर माहौल को भांपने के लिए अमित शाह 11 राज्यों का सघन दौरा करने जा रहे हैं ताकि चुनावी तैयारियों को मजबूत किया जा सके।

हम आपको याद दिला दें कि 2014 से भाजपा के उभार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और राजनीति में चाणक्य की उपाधि से नवाजे जाने वाले अमित शाह हमेशा कठिन चुनौतियों को ही अपने हाथ में लेते हैं। पिछले साल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के समय पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ काफी नाराजगी दिखाई दे रही थी लेकिन जब अमित शाह को उस क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया तो उन्होंने हालात को बड़ी कुशलता से संभाला और परिणाम यह रहा कि लगातार दूसरी बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकार बन गयी थी।जहाँ तक अमित शाह के 11 राज्यों के दौरे की बात है तो आपको बता दें कि लोकसभा प्रवास कार्यक्रम के तहत यह दौरा होने जा रहा है। इसके तहत पांच जनवरी को अमित शाह त्रिपुरा में होंगे तथा मणिपुर और नगालैंड में वह छह जनवरी को होंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिपुरा और नगालैंड में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। छत्तीसगढ़ और झारखंड में अमित शाह का दौरा 7 जनवरी को होगा और 8 जनवरी को वह आंध्र प्रदेश के दौरे पर जाएंगे। यहां हम आपको बताना चाहेंगे कि कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के साथ ही होंगे।इसके अलावा, अमित शाह 16 जनवरी को उत्तर प्रदेश जाएंगे जहां उनका मुख्य ध्यान पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर उन लोकसभा सीटों पर रहेगा जिसे बसपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में कब्जाया था। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की शानदार विजय में उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक योगदान रहा है इसीलिए अमित शाह ने मिशन यूपी पर नजरें गड़ा दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि इस बार उत्तर प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने पर हमारा ध्यान रहेगा।इसके अलावा, अमित शाह 17 जनवरी को पश्चिम बंगाल के दौरे पर भी जाएंगे। गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को पश्चिम बंगाल में शानदार विजय हासिल हुई थी। भाजपा का प्रयास है कि इस प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जाये, इसके लिए हाल ही में वहां पार्टी संगठन स्तर पर कई बदलाव भी किये गये हैं और नेताओं के आपसी मतभेदों को सुलझाने की पहल भी की गयी है। अमित शाह 28 जनवरी को कर्नाटक के हुबली का दौरा करेंगे। वह हाल ही में कर्नाटक का एक दौरा कर भी चुके हैं। कर्नाटक में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में अमित शाह का आगामी दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि तब तक राज्य में चुनावी माहौल गर्म हो चुका होगा। 29 जनवरी को अमित शाह हरियाणा और पंजाब के दौरे पर होंगे। हरियाणा में भी 2019 में भाजपा का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था लेकिन हाल के पंचायत चुनावों में वहां जनता के बीच नाराजगी दिखी है

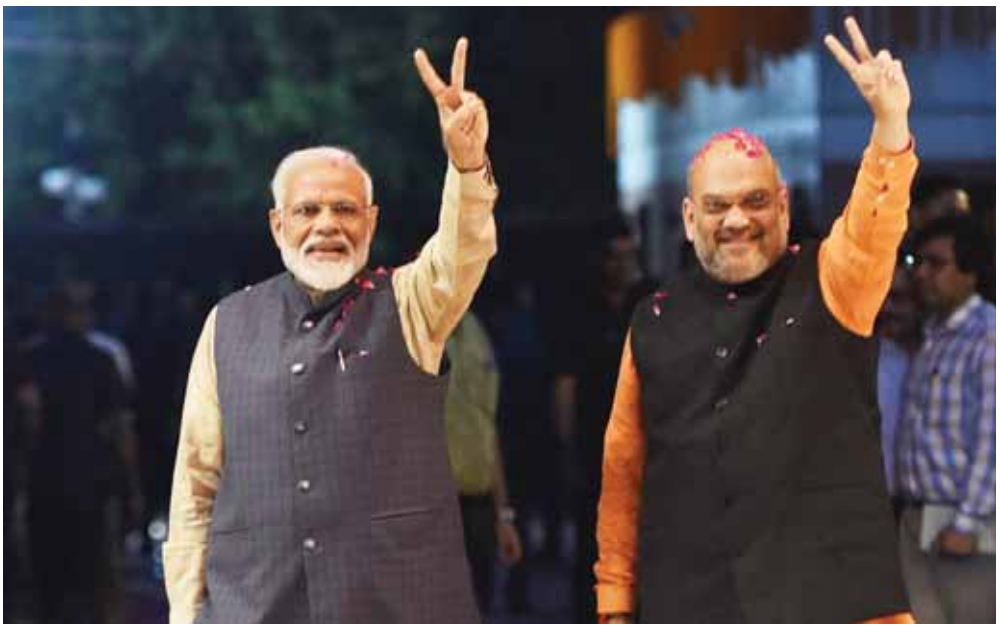

2023 चुनावी साल, चुनौतियां बेमिसाल!

लोकसभा चुनाव से पहले 2023 में इन 10 राज्यों में सत्ता का सेमीफाइनल!

सियासी नजरिए से भारत में नया साल 2023 काफी अहम होने वाला है। देश में अगले साल कुल 10 राज्यों के चुनाव होने हैं। फरवरी और मार्च के बीच पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में चुनाव होंगें। वहीं, अप्रैल-मई में दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होगी। साल के अंत में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना राज्य भी विधानसभा चुनाव का सामना करेंगे। इसी साल केंद्र शाषित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी इसी साल चुनाव हो सकते हैं।

मौजूदा समय में मध्यप्रदेश, त्रिपुरा और कर्नाटक में भाजपा की सरकार है, जबकि मेघालय, नगालैंड और मिजोरम में भाजपा एनडीए के साथियों के साथ सरकार में है। कांग्रेस के पास केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ हैं। तेलंगाना में भारतीय राष्ट्र समिति (पूर्व नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति) की सरकार है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में अभी तक चुनाव नहीं हुए हैं।

मध्यप्रदेश में इस समय शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार है। 2018 के विधानसभा चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। 230 सीटों वाली विधानसभा में चुनाव के बाद 114 सीटें पाने वाली कांग्रेस ने निर्दलीय और बसपा व सपा के समर्थन से सरकार बनाई थी। इसके साथ ही 1998 के बाद पहली बार कांग्रेस यहां सत्ता में आई थी।

हालांकि, सवा साल बाद ही कांग्रेस में बगावत हो गई। ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों समेत कुल 22 विधायक मार्च 2020 में भाजपा में चले जाने से कमलनाथ सरकार गिर गई। इसके बाद भाजपा फिर से सत्ता में आई और शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। इसके बाद कुल 28 सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर विधानसभा में एक बार फिर बहुमत हासिल कर लिया। राज्य में अगला विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर में होगा। भाजपा के सामने जहां अपने प्रदर्शन को सुधारने की चुनौती होगी। वहीं, मुख्य विपक्षी कांग्रेस सत्ता विरोधी लहर में सवार होकर एक बार फिर से सरकार में आने की कोशिश करेगी।

10 राज्यों का विधानसभा चुनाव साफ करेगा 2024 की तस्वीर

राजस्थान: बीते तीन दशक से राजस्थान में हर पांच साल पर सत्ता बदल जाती है। 2018 के चुनाव में मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने पांच साल बाद सत्ता में वापसी की। अशोक गहलोत एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री बने।

हालांकि, अपनों की ही बगावत के कारण सरकार कभी भी स्थिर नहीं नजर आई। जुलाई और अगस्त 2020 में पायलट गुट के बागी होने के कारण हालात यहां तक तक आ गए कि अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार को अविश्वास मत का सामना करना पड़ा। बगावत के कारण पायलट समेत कई विधायकों को अपने पद खोने पड़े। अचानक हालात बदले और कांग्रेस आलाकमान की समझाइश के बाद पायलट गुट के तेवर ढीले हुए। इसके बाद सरकार ने ध्वनि मत के माध्यम से राजस्थान विधानसभा में विश्वास मत जीता। इस साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस अबकी बार किसके चेहरे पर चुनाव लड़ेगी, यह अभी यक्ष प्रश्न है। इसके अलावा पार्टी के सामने सत्ता विरोधी लहर को पार करने की भी चुनौती होगी। वहीं, दूसरी ओर भाजपा यहां एक बार फिर वापसी की उम्मीद करेगी।

छत्तीसगढ़: कांग्रेस ने 2018 में राज्य में 90 में से 68 सीटें जीतकर 15 साल बाद राज्य की सत्ता हासिल की थी। वहीं, रमन सिंह के नेतृत्व में उतरी भाजपा को केवल 15 सीटें हासिल हुई थीं। भूपेश बघेल को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। 2018 के बाद से भाजपा यहां हुए पांच उपचुनाव हार चुकी है। हाल ही में हुए भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव इसका ताजा उदाहरण है। इससे पहले दंतेवाड़ा, चित्रकोट, मरवाही और खैरागढ़ में भी कांग्रेस को जीत मिली थी।

अमेरिका में अचानक से इतनी बर्फ क्यों गिरी?

प्रकृति के आगे सभी महाशक्ति बोनी साबित होती है

प्राकृतिक आपदा कितना वीभत्स स्वरूप ले लेगी इसका अंदाजा किसी को भी नहीं होता है चाहे वह विश्व की महाशक्ति अमेरिका हो जर्मनी हो फ्रांस हो या जापान हो कुदरत के आगे सब के सब बौने साबित होते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण अमेरिका में बर्फ का तूफान है। बर्फ के तूफान ने चारों ओर कोहराम मचा रखा है लाखों लोग इस बर्फीले तूफान से प्रभावित है लोगों का जीना दूभर हो गया है अमेरिका सफेद चादर से ढका हुआ प्रतीत हो रहा है ऐसा लग रहा है की समस्त अमेरिका अंटार्कटिका जैसा प्रतीत हो रहा है। 60 से अधिक लोग इस बर्फीले तूफान से अपनी जान गवा बैठे हैं और न जाने कितने लोग इस काल के गाल में समा जाएंगे। बर्फीले तूफान ने आसपास के वातावरण को सफेद चादर से ढक दिया है पहाड़ हो मकान हो या गाड़ियां हो सब की सब एक ही तरह की नजर आ रही हैं और वह है। बर्फ की चादर में ढकी हुई हम जग से पानी ऊपर उछाले तो वह चंद सेकंड में बर्फ में तब्दील हो जाता है इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं किस सर्दी का सितम कितना भयावह है। अमेरिका के साथ-साथ इसका आंसर आसपास के देशों में भी दिखाई दे रहा है। बर्फीली तूफान अमेरिका के साथ-साथ जापान तक अपना प्रभाव दिखा रहा है। ऐसा लग रहा है के समस्त महा शक्तियां उसके सामने बौनी साबित हो रही है। और यह सच्चाई है प्रकृति के सामने दुनिया की बड़ी से बड़ी महाशक्ति बोनी साबित होती है क्लाइमेट चेंज दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है इस ओर ध्यान देने की बहुत ज्यादा जरूरत है अगर हम मनुष्यों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले भविष्य में प्रकृति कितना बड़ा खतरा होगी इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाएगा आज हम देख रहे हैं कि चारों ओर प्रकृति का कोहराम मचा हुआ है इससे यदि हम सजग नहीं हुए तो आने वाले भविष्य में यह स्थिति और भी ज्यादा भयावह होगी प्रकृति का प्रकोप यह बता रहा है कि मनुष्य अभी भी सजग हो जाओ अन्यथा यह और ज्यादा विकराल रूप धारण कर सकती है मनुष्य ने प्रकृति का बहुत ज्यादा दोहन किया है उसी का परिणाम है कि प्रकृति भी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। जो भविष्य में और अधिक घातक हो सकती है अगर हम सब मनुष्य प्रकृति के प्रति सजग नहीं हुए तो प्रकृति भी मनुष्य के प्रति निष्ठुर हो जाएगी अभी भी समय है हम जलवायु परिवर्तन पर ध्यान दें। और प्रकृति के अनुरूप जीवन यापन शुरू कर दें अन्यथा प्रकृति हमारे साथ भी मनुष्य के तरह क्रूर रूप अख्तियार करेगी जिसकी विभीषिका झेलना मनुष्य के लिए संभव नहीं होगा। अतः हम सब विश्व के लोग मिलकर क्लाइमेट चेंज अर्थात जलवायु परिवर्तन पर ध्यान दें तभी प्रकृति सुरक्षित है तभी मनुष्य का अस्तित्व है अन्यथा प्राकृतिक विभीषिका मनुष्य को अस्तित्व विहीन कर देगी।

शैलेश सिंह कुशवाह
(प्रबंध संपादक)
वरिष्ठ पत्रकार ग्वालियर मध्य प्रदेश

बर्फ का तूफान अमेरिका में त्राहिमाम

क्या चीन की तरह भारत में भी कोरोना मचाएगा तबाही ?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चीन और जापान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अन्य देशों में कोविड के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर भारत में स्थिति की समीक्षा बैठक की। चूँकि चीन एकमात्र बड़ा देश है जहाँ मामले सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं, इसलिए ये चर्चा महत्वपूर्ण है कि क्या भारत चीन में कोहराम लाने वाले वायरस के वैरिएंट से महफूज है। कई विश्लेषक दावा कर रहे हैं कि चीन की तुलना में भारत बेहतर संरक्षित है। हालांकि, विश्लेषण यह भी बताता है कि वैक्सीनेशन के मोर्चे पर गतिशील कार्रवाई के बिना यह तथ्य सही नहीं रहेगा। तीन कारण जो इस तर्क को सही ठहराते हैं। भारत में प्रशासित कोविड-19 टीकों में से 96त्न या तो ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका द्वारा तैयार कोविशील्ड हैं जो सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया या भारत बायोटेक के कोवाक्सिन द्वारा निर्मित हैं। चीन में दिए जाने वाले अधिकांश टीके कोरोनावैक और सिनोफार्म हैं। कोरोनावैक के खिलाफ ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन (जो भारत की खुराक का 80त्न हिस्सा है) की प्रभावकारिता का परीक्षण किया गया है। ब्राजील में दस लाख लोगों के एक अध्ययन में पाया गया कि दोनों टीकों ने युवा लोगों के बीच समान सुरक्षा प्रदान की, लेकिन वृद्ध लोगों में गंभीर संक्रमण के खिलाफ कोरोनावैक कम प्रभावी था। अध्ययन के अनुसार, ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के 76त्न की तुलना में, कोरोनावैक ने 79 वर्ष की आयु तक के लोगों के लिए गंभीर बीमारी से 60त्न तक सुरक्षा की प्रदान की। लेकिन 80 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में चीन में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला वैक्सीन, कोरोनावैक, गंभीर बीमारी से लोगों की रक्षा करने में केवल 30प्रश प्रभावी था और मृत्यु के खिलाफ 45प्रश प्रभावी था, जबकि ऑक्सफोर्ड वैक्सीन क्रमशः 67त्न और 85प्रश

थी। बूस्टर में पिछड़ने के बावजूद भारत के पास चीन की लहर से घबराने की वजह नहीं है। चीन के सख्त लॉकडाउन का मतलब है कि देश में कम लोगों को हाल के संक्रमणों से प्राकृतिक प्रतिरक्षा होने की संभावना है। भारत में 45 मिलियन के मुकाबले 20 दिसंबर तक चीन में लगभग 2 मिलियन संचयी कोविड -19 मामले थे। यह 2021 जनसंख्या अनुमानों के अनुसार भारत में 32,819 की तुलना में चीन में प्रति मिलियन 1,348 संक्रमित लोगों का अनुवाद करता है। पैन-इंडिया सीरो-प्रचलन अध्ययनों ने जून-जुलाई 2021 में भी भारत में 62त्न प्रसार दिखाया। यह आंकड़ा बढ़ने की संभावना है, क्योंकि भारत में 22त्न संक्रमण पिछले साल दिसंबर के मध्य से ही भारत में हुआ है, जब तीसरी लहर आई थी। एक और वजह जो भारत को चीन के कोरोना विस्फोट से राहत दे सकता है। देश ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के साथ लंबे समय से परिचित है। चीन के नए डेटा (9 दिसंबर को पाए गए नमूने) ने सब-वैरिएंट के 7प्रश की तुलना में 14प्रश नमूनों में मौजूद ओमिक्रॉन के उप-संस्करण को दिखाया। संकलित आंकड़ों के अनुसार, बाद वाले ने 3 नवंबर के अंतिम डेटा में सभी नमूनों का गठन किया। दूसरी ओर भारत ने पहली बार जुलाई में लिए गए नमूने में सब-वैरिएंट का पता लगाया था।

उत्तराखंड ने समय-समय पर कई छोटी बड़ी आपदाओं को बेहद करीब से देखा है। राज्य की जनता ने केदारनाथ जैसी दैवी आपदा के दुःख दर्द को भी झेला है। उसके बाद भी राज्य में अंधाधुंध अव्यवस्थित निमार्ण कार्य जगह-जगह भू-खनन व पहाड़ों को काट कर सड़कों के चौड़ी करण के कार्यों में बड़े पैमाने पर नियमों का उल्लघंन करके प्रकृति को भारी नुक़सान पहुंचाया जा रहा है। राज्य में विकास के नाम पर शहर व बहुत सारे गांवों का अस्तित्व या तो खतरे में है या समाप्त हो गया है। अंधाधुंध विकास के चलते जैव विविधता भी दिन प्रतिदिन विनाश को प्राप्त होती जा रही है। ऐसी ही स्थिति की वजह से आध्यात्मिक भूमि जोशीमठ में भय का माहौल व्याप्त है, यहां के निवासी पलायन करने को मजबूर हो रहें हैं। लेकिन अब इस बेहद गंभीर हो चुकी समस्या के समाधान के लिए ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने सुप्रीम कोर्ट में अपने अधिवक्ता एसपी मिश्रा के माध्यम से पीआईएल दाखिल की है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी स्वयं जोशीमठ आकर हालात को देखा है, जिसके बाद क्षेत्रवासियों में एक उम्मीद की किरण जगी है।

जगत गुरु शंकराचार्य की तपो भूमि जोशीमठ आज भू-धंसाव के बड़े खतरे के मुहाने पर आ गया है। देश के भू विज्ञानी इसका कारण जाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। वैसे देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न प्रकार की छोटी व बड़ी विकास परियोजनाएं चल रही हैं, लेकिन उनमें से वास्तव में बहुत ही कम परियोजनाएं ऐसी होंगी जिसमें प्रकृति के साथ पूरी तरह से सामंजस्य बनाकर के कार्य किया गया हो। हर तरफ अंधाधुंध अव्यवस्थित विकास की अंधी दौड़ में हम व हमारे देश का सिस्टम प्रकृति के साथ कदम ताल मिलाते हुए सामंजस्य बिठाकर कार्य करना भूलता जा रहा है। हालांकि समय-समय पर प्रकृति निरंतर चेतावनी भी देती रहती है, लेकिन फिर भी ना जाने क्यों हम लोगों के व हमारे देश के सिस्टम के कानों पर जूं नहीं रेंगती है।

आज उसी का परिणाम यह है कि उत्तराखंड फिर से अंधाधुंध दोहन व अव्यवस्थित विकास का बड़ा खामियाजा भुगतने के मुहाने पर आकर खड़ा हो गया है। उसी लापरवाही के चलते धीरे-धीरे अब जोशीमठ में यह हालात हो गये हैं कि जोशीमठ जैसा प्राचीन शहर कभी भी धंसकर मिट्टी में मिल सकता है, क्योंकि जोशीमठ में जमीन धंसने का सिलसिला अब भी लगातार बढ़ता ही जा रहा है, घरों में व सड़कों पर जमीन धंसने के सबूत के रूप में जगह-जगह बड़े पैमाने पर छोटी व बड़ी दरारें देखी जा सकती हैं। खबरों की मानें तो अब तक लगभग 620 घरों में दरारें आ चुकी है, कुछ जगहों पर दरारों में से जल रिसाव तक भी हो रहा है। रिसाव हो रहे जल को जांच के लिए भिजवाया गया है। इस स्थिति के चलते शहर की बड़ी आबादी के सिर पर ख़तरा मंडरा रहा है। हालांकि प्रशासन अब पल-पल की स्थिति पर नज़र रखे हुए है, उसने ख़तरे वाले बहुत सारे घरों को खाली करवा लिया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया, साथ ही प्रशासन ने उस क्षेत्र में चल रहे एनटीपीसी व सड़क के विभिन्न निर्माण को तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया है। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती पिछले कुछ दिनों से ही लगातार शासन-प्रशासन को चेता रहे थे, लेकिन फिर भी ना जाने क्यों सिस्टम कुंभकर्णी नींद में ही सोता रहा। जिसके चलते ही जोशीमठ क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंकाओं से भयभीत शहरवासी कुछ दिनों से सड़कों पर आंदोलनरत होकर कड़ाके की ठंड में ठिठुरते हुए रात गुजारने के लिए मजबूर हैं। हालांकि वैसे देखा जाए तो विकास के नाम पर हो रही बंदरबांट, लापरवाही, भ्रष्टाचार और लोभ-लालच ने हिमाचल की गोद में बसे हुए उत्तराखंड के बहुत सारे इलाकों को विकास की आड़ में खोखला करने का कार्य किया है। धरातल पर स्थिति का आकलन करें तो उत्तराखंड का जोशीमठ शहर मनुष्य के द्वारा प्रकृति के ग़लत ढंग से दोहन का आज एक बड़ा उदाहरण बन गया है। लोगों व सिस्टम के द्वारा इस क्षेत्र में किये गये अव्यवस्थित विकास की भेंट चढ़ने के पायदान पर आकर आज जोशीमठ जैसा बड़ा शहर भी खड़ा हो गया है, जो बहुत ही चिंताजनक है।

कर्तव्य पथ पर पीएम मोदी

मां को अंतिम विदाई देने के बाद पश्चिम बंगाल को दी कई सौगातें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के गांधीनगर में मां हीराबेन को अंतिम विदाई दी और अपने कर्तव्य पथ पर लौट आए. पीएम मोदी ने गुजरात के राजभवन से वर्चुअली जुड़कर पश्चिम बंगाल को आज कई सौगातें दी. पीएम मोदी ने सबसे पहले बंगाल की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. पीएम मोदी इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े थे, मगर मौके पर ममता बनर्जी और अश्विनी वैष्णव मौजूद थे.इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिमोट का बटन दबाकर कोलकाता में रेलवे की कई परियोजनाओं का लोकार्पण किया. इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की पुण्य धरती को आज मेरे लिए नमन करने का असवर है. बंगाल के कण-कण में आज़ादी का इतिहास समाया हुआ है. जिस धरती से वंदे मातरम का जयघोष हुआ वहां से वन्दे भारत को हरी झंडी दिखाई गई.

हीराबेन मोदी के सादगीमय जीवन व आदर्शों से समूचा राष्ट्र प्रेरित होता रहेगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे विश्वनायक गढ़ने वाली मां हीराबेन मोदी का निधन न केवल पुत्र के लिये बल्कि समूचे राष्ट्र के लिये एक अपूरणीय क्षति है, एक आघात है।। भारतीय मूल्यों एवं आदर्शों की शताब्दी यात्रा का विराम होना निश्चित ही देश के हर व्यक्ति के लिये शोक का विषय है, लेकिन यह वक्त शोक का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों एवं जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने का है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। हीराबेन ऐसी ही विलक्षण मां थी, एक देवदूत थी। कहने को वह इंसान थी, लेकिन भगवान से कम नहीं थी। वह एक मन्दिर थी, पूजा थी और वह ही तीर्थ थी। वह न केवल नरेन्द्र मोदी की जीवनदात्री बल्कि संस्कार निर्मात्री थी, बल्कि इस राष्ट्र आदर्श मां थी। उनके निधन से ममत्व, संस्कार, त्याग, समर्पण, सादगी एवं आदर्शों का युग ठहर गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मां को श्रद्धांजलि देते हुए जो कहा, वह प्रेरणा की एक नजीर है। उन्होंने कहा कि, ''शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम... मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। मैं जब उनसे 100वें

जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से।' मोदी जब-जब मां से मिलने जाते, मां-बेटे का यह मिलन एवं संवाद देश एवं दुनिया के लिये एक प्रेरणा बनता रहा है। मोदी के लिये मां हीराबेन, यह सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि उनके जीवन की यह वो भावना है जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास, प्रेरणा कितना कुछ समाया है। मां हीराबेन, ने मोदी का सिर्फ शरीर ही नहीं गढ़ा बल्कि मन, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास गढ़ा है। और ऐसा करते हुए उसने खुद को खपा दिया, खुद को भुला दिया।

मां हीराबेन का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक है। श्री मोदी ने 'मातृदेवोभव' की भावना और हीराबेन के मूल्यों को अपने जीवन में ढाला है। तभी मोदी के लिये मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं रहा। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त थी, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान थी। उनका आशीर्वाद वरदान बना। यही कारण है कि तमाम व्यस्तताओं एवं जिम्मेदारियों के बीच मोदी अपनी मां के पास जाते, उसके पास बैठते, उसकी सुनते, उसको देखते, उसकी बातों को मानते थे। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके एवं एक नई ऊर्जा लेकर निकलते थे।

राम मंदिर का उद्घाटन होगा गेम-चेंजर

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा कर दी है कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य शुभारंभ अगले साल 1 जनवरी को होगा. केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमान है कि एक बार खुलने के बाद, मंदिर में प्रतिदिन 1 लाख से अधिक भक्त आएंगे और 2047 तक 10 करोड़ से अधिक भक्त सालाना अयोध्या आ सकते हैं. इसका सीधा मतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार 32,000 करोड़ रुपये की मेगा योजना के साथ अयोध्या को विकसित करने जा रही है. अयोध्या को वैश्विक पर्यटन और आध्यात्मिक गंतव्य में बदलने के लिए 37 एजेंसियों द्वारा निष्पादित 264 परियोजनाएं शामिल हैं. मंदिर के निर्माण पर करीब 1,800 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह राशि दान से प्राप्त होगी.

2024 में भारत की राजनीति पर मंदिर के प्रभाव के आकलन से पहले यह जानना होगा कि इस साल 30 दिसंबर तक भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भूतल ही बनकर तैयार होगा. इसमें रामलला की मूर्तियां स्थापित होंगी और अगले साल जनवरी में यह श्रद्धालुओं के दर्शन के खुल जाएगा. दरअसल मंदिर ट्रस्ट, सार्वजनिक दर्शन के लिए खोलने से पहले पूरे मंदिर के तैयार होने का इंतजार नहीं कर रहा है. मंदिर की पहली और दूसरी मंजिल को 30 दिसंबर, 2024 तक पूरा होने में एक और साल लगेगा. यह 71 एकड़ से अधिक का पूरा परिसर 2025 में बनकर तैयार होगा. निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने डीडी न्यूज के साथ हाल ही में बातचीत में कहा था कि नए मंदिर में मूल रामलला की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी. वहीं, भगवान राम की एक नई मूर्ति (लगभग 3 फीट ऊंची) भी स्थापित की जा सकती है, ताकि मूर्तियां, भक्तों द्वारा 19 मीटर की दूरी से देखी जा सकें. ट्रस्ट ने कहा है कि मंदिर का जीवन 1,000 साल से अधिक होगा अयोध्या में

लगभग 32,000 करोड़ रुपये की 264 परियोजनाओं के साथ शहर के विकास के हिस्से के रूप में अयोध्या में राजमार्गों, सड़कों, बुनियादी ढांचे, टाउनशिप, भव्य प्रवेश द्वार, बहु-स्तरीय पार्किंग सुविधाएं और एक नया हवाई अड्डा बन रहा है. उनमें से 22,500 करोड़ रुपये की 143 परियोजनाएं हैं जिन्हें प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के रूप में पहचाना गया है, जिन्हें 2024 तक पूरा किया जाना है जब मंदिर जनता के लिए खुल जाएगा. अयोध्या के लिए एक 'विजन 2047' तैयार किया गया है, जो इसे 'ब्रांड अयोध्या' के हिस्से के रूप में एक वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी, एक बड़ा पर्यटन स्थल और एक स्थायी स्मार्ट शहर बनाने पर केंद्रित है. इसमें एक फ्री-फील्ड वैदिक टाउनशिप, एक नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन, नई प्रमुख सड़कों का निर्माण और सरयू नदी विकास योजना के साथ-साथ ऐतिहासिक शहर सर्किट और हेरिटेज वॉक इसका हिस्सा हैं. भाजपा लंबे समय से कहती रही है कि मंदिर लाखों लोगों की 'आस्था' है, इसको लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए. वहीं, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर का 'भूमि-पूजन' किया, तो भाजपा के शीर्ष नेता यह बताने से नहीं चूके हैं कि किसी और शासन काल में 'मंदिर' नहीं बनता. अब तक राहुल गांधी या प्रियंका जैसे शीर्ष कांग्रेस नेताओं या समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और मायावती जैसे यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री आदि ने साइट का दौरा नहीं किया है. वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 3 सालों में बार-बार मंदिर साइट का दौरा किया जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगभग हर महीने मंदिर स्थल का दौरा किया है.

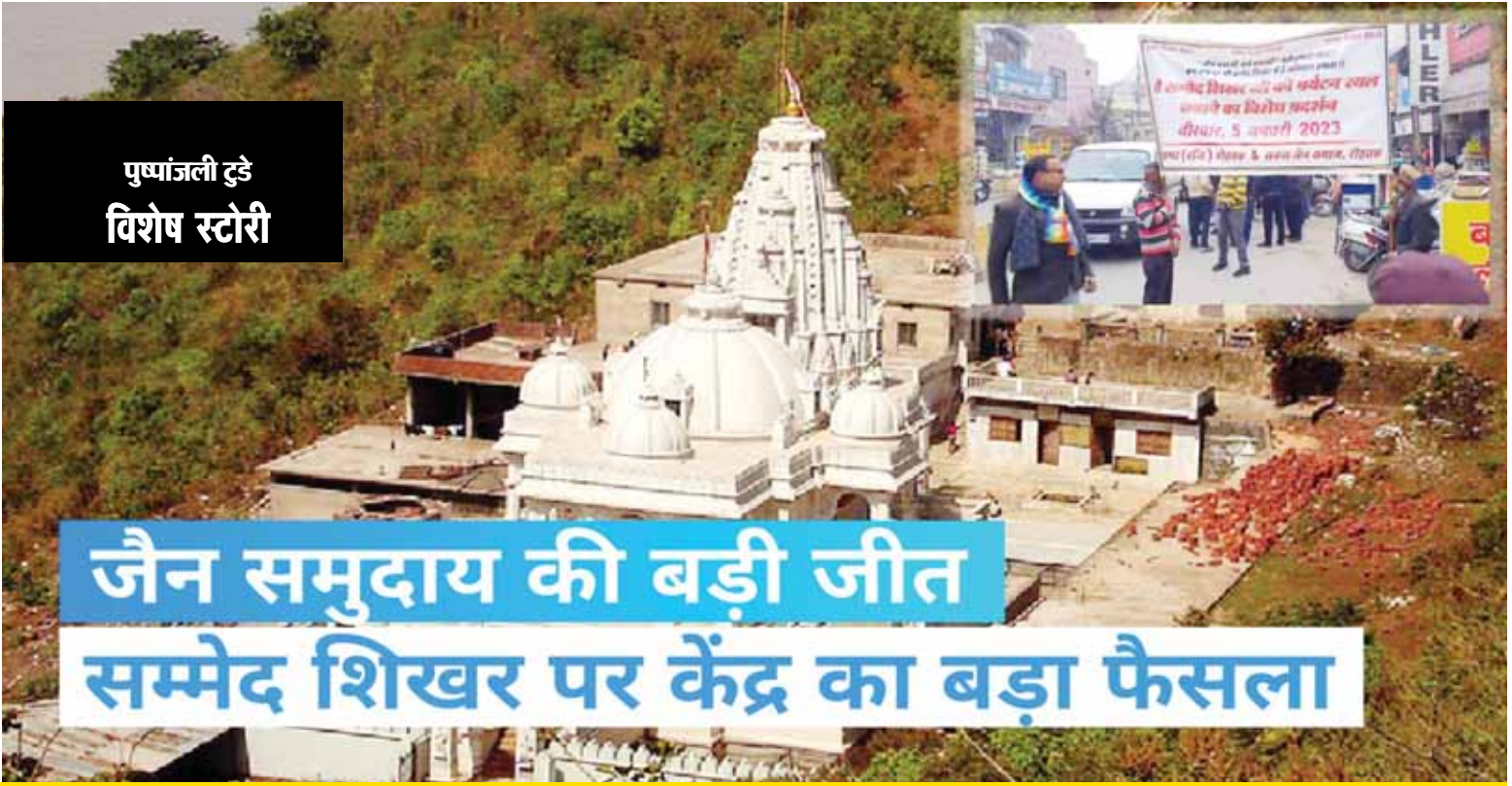

जैन समुदाय की बड़ी जीत
सम्मेद शिखर पर केंद्र का बड़ा फैसला

सम्मेद शिखरजी: जैन समुदाय का सबसे बड़ा और पवित्र तीर्थ स्थल

झारखंड के पारसनाथ स्थित जैन तीर्थस्थल सम्मेद शिखर पर पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगा दी गई है। केंद्र सरकार ने तीन साल पहले जारी अपना आदेश वापस ले लिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी नोटिफिकेशन में सभी पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं इसके अलावा केंद्र सरकार ने एक निगरानी समिति भी बनाई है। यह समिति इको सेंसिटिव जोन की निगरानी करेगी। केंद्र ने राज्य को निर्देश दिया है कि इस समिति में जैन समुदाय के दो और स्थानीय जनजातीय समुदाय के एक सदस्य को स्थायी रूप से शामिल किया जाए। सम्मेद शिखरजी जैन समुदाय का सबसे बड़ा और पवित्र तीर्थ स्थल है। जैन समुदाय के अनुसार शिखर जी से भगवान पारस नाथ मोक्ष गए थे। उनके चरण आज भी सम्मेद शिखर जी की सबसे बड़ी टोक पर स्थित है। देशभर से लाखों जैन समुदाय के लोग यहां दर्शन करने आते है। सम्मेद शिखर जी झारखंड के गिरिडीह में स्थित है। सम्मेद शिखर जी को केंन्द्र सरकार द्वारा पर्यटन स्थल बनाए जाने को लेकर देशभर में जैन समुदाय इसका विरोध कर रहा है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर सहित प्रदेश के लगभग सभी जिलों में जैन समाज ने तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल बनाए जाने की घोषणा को वापस लेने के लिए अपना विरोध प्रदर्शन जताया है साथ ही बीते दिनों जैन समाज द्वारा अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखकर इस फैसले का विरोध किया।

क्यों हो रहा विरोध, क्या है मांग

दरअसल, झारखंड में स्थित श्री सम्मेद शिखर जी जैन धर्म के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। यह तीर्थ सबसे बड़ा तीर्थ भी माना जाता है। जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकर भगवान और असंख्य महामुनिराजों ने इसी पवित्र भूमि से तपस्या कर निर्वाण प्राप्त किया है। झारखंड सरकार ने इसे टूरिज्म स्पॉट बनाने के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। जैन समाज इसी का विरोध कर रही है। जैन समाज की मांग है कि तीर्थ क्षेत्र को तीर्थ ही रहने दिया जाए।

क्या है मान्यता

सम्मेद शिखर जी को लेकर जैन समाज की मान्यता है कि जिस तरह से गंगा जी में डूबकी लगाकर लोगों के पाप धुल जाते है, ठीक वैसे ही शिखर जी की वंदना करके पापों का नाश होता है। शिखर जी में 27 किलोमीटर की वंदना है, जिसमें कई मंदिर स्थापित हैं। पारसनाथ पहाडी झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित पहाड़ियों की एक श्रृंखला है। उच्चतम चोटी 1350 मीटर है। यह जैन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल केंद्र में से एक है। वे इसे सम्मेद शिखर कहते हैं। 23 वें तीर्थंकर के नाम पर पहाड़ी का नाम पारसनाथ रखा गया है। 20 जैन तीर्थंकरों ने इस पहाड़ी पर मोक्ष प्राप्त किया। उनमें से प्रत्येक के लिए पहाड़ी पर एक मंदिर है। पहाड़ी पर कुछ मंदिर 2,000 साल से अधिक पुराने माना जाता है। हालांकि यह जगह प्राचीन काल से बनी हुई है।

'भारत जोड़ो यात्रा का मकसद आम आदमी के मन से डर को दूर करना : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का मकसद आम आदमी के मन से डर को दूर करना और महंगाई और युवाओं में बेरोजगारी की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना है। राहुल ने कहा, ''इस यात्रा का उद्देश्य देश में फैलाई जा रही नफरत और हिंसा को दूर करना है। भाजपा की नीतियों नोटबंदी, गलत जीएसटी के माध्यम से युवाओं, किसानों, मजदूरों में डर पैदा करना है, क्योंकि वे जानते हैं कि जब वे डर फैलाते हैं तो इसे बदलना आसान होता है। उन्होंने कहा, 'हम डर को दूर करने की राजनीति करते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि डर और नफरत से देश को कोई फायदा नहीं होगा। यात्रा के दो अन्य लक्ष्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे महंगाई और बेरोजगारी है। बागपत-शामली सीमा पर बड़ौत में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि 110 दिनों में 3000 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करने के बावजूद उन्हें टी-शर्ट में न तो थकान महसूस हो रही है, और न ही ठंड लग रही है। मीडिया पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मैं उन्हें मित्र (दोस्त) कहता हूं, लेकिन मित्रों का काम नही करते यह लोग, हमारा छोड़ो जनता के मित्रों का काम नही करते यह लोग, क्योंकि आपके मित्र होते तो आपको यह देश की सच्चाई दिखाते, बेरोजगारी के बारे में बताते, महंगाई के बारे में बताते। मगर नहीं, यह तो आपको अफ्रीका से आने वाले चीतों के बारे में बताते है।उन्होंने कहा, ''मीडिया जनता की बात नहीं उठाती है । लेकिन वे न तो मेरे और न ही लोगों के दोस्त होने का कर्तव्य निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, चूंकि मीडिया लोगों के मुद्दों को उजागर नहीं कर रहा है, इसलिए हमने संसद में नोटबंदी, गलत जीएसटी, मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी से संबंधित मुद्दों को उठाने के बारे में सोचा, लेकिन वहां माइक बंद कर दिया।

.राहुल गांधी तुम पर गर्व है, मेरे भाई तुम योद्धा हो: प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के उत्तर प्रदेश में दाखिल होने पर अपने बड़े भाई राहुल गांधी एवं अन्य 'भारत यात्रियों' का स्वागत किया और इस दौरान उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की छवि को खराब करने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन ये सच्चाई से पीछे नहीं हटे। अदाणी जी और अंबानी जी ने देश के सारे नेताओं को खरीद लिया लेकिन मेरे भाई को नहीं खरीद पाए और ना कभी खरीद पाएंगे।

प्रियंका ने कहा कि राहुल ने सत्य का कवच पहन रखा है जिस वजह से भगवान उनकी ठंड और दूसरी सभी चीजों से सुरक्षा करेगा। उन्होंने दो बड़े उद्योगपतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी को कोई खरीद नहीं सकता और वह सच्चाई से पीछे नहीं हटने वाले हैं। उन्होंने राहुल गांधी की तरफ मुखातिब होते हुए कहा कि मेरे बड़े भाई, सबसे ज्यादा गर्व तुम पर है। सत्ता की ओर से पूरा जोर लगाया गया, सरकार ने हजारों करोड़ रुपये खर्च किए, ताकि इनकी छवि खराब की जा सके। लेकिन वह सच्चाई से पीछे नहीं हटे। एजेंसियां लगाई गई, लेकिन वह डरे नहीं। वह योद्धा हैं। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि अडाणी और अंबानी ने देश के बड़े से बड़े नेता खरीद लिए, पीएसयू खरीद लिए, मीडिया खरीद लिया, लेकिन मेरे भाई को खरीद नहीं पाए और कभी खरीद भी नहीं सकते। उनका कहना था, किसी ने मुझसे कहा कि क्या आपके भाई को ठंड नहीं लगती क्योंकि वह केवल एक टी-शर्ट पहनकर चल रहे हैं। किसी ने कहा कि इन्हें ठंड से बचाओ, जैकेट तो पहनवाओ। किसी ने कहा कि अब कश्मीर जा रहे हैं, क्या उनकी सुरक्षा को लेकर डर नहीं लगता? मेरा जवाब यह है कि वह सत्य का कवच पहने हुए हैं। भगवान इनको सुरक्षित रखेगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि जब तक आप लोग इस देश के सत्य को पहचानेंगे तब तक भगवान इस देश की सच्चाई की रक्षा करेगा। उनका कहना था, एकता में ही आपका विकास है।

तीन साल पूरे होने पर सीएम हेमंत ने दी 12 सौ करोड़ से अधिक की सौगात, कहा-

चुनौतियों का मुकाबला किया, आपदा को अवसर में बदला

अपनी सरकार के तीन साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 12 सौ करोड़ से अधिक का तोहफा दिया और दो पोर्टल लॉच किए। कहा चुनौतियों का जमकर मुकाबला किया और आपदा को अवसर में बदला।

इस मौके पर प्रोजेक्ट भवन में आयोजित समारोह में कहा कि आज सरकार के 3 वर्ष पूरे हो रहे हैं । इस दौरान हमने कई उतार-चढ़ाव देखे। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से हमारा सामना हुआ। इस दौरान देश- दुनिया की तमाम व्यवस्थाएं ठप्प सी हो गई। झारखंड भी इससे अछूता नहीं रहा। लेकिन, हमारी सरकार ने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। हमने हार नहीं मानी और इस आपदा को अवसर के रूप में लिया। इसी का नतीजा रहा कि आप सभी के सहयोग से इस महामारी से निपटने में कामयाब हुए। इसके उपरांत विकास की गति को तेज करने की संकल्पना के साथ कई योजनाओं को शुरू किया, जिसका लाभ आज राज्य के कोने -कोने में रहने वाले लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जिस सोच और उद्देश्य के साथ काम कर रही है, उससे यहां के लोग भी आगे बढ़ेंगे और राज्य भी आगे बढ़ेगा।

कहा कि हमारे राज्य में काफी क्षमताएं हैं। यहां खनिज समेत वैसे सभी संसाधन मौजूद हैं , जो राज्य को विकास के मार्ग पर आगे ले जा सकते हैं। लेकिन, पिछले 20 वर्षों में किन्ही न किन्ही वजहों से राज्य में विकास का माहौल नहीं बन सका। हमारी सरकार अब विकास को नई दिशा देने के काम में जुट गई है । इसके लिए वातावरण तैयार किया जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां के संसाधनों

का अगर सदुपयोग सही तरीके से हुआ तो झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत सभी क्षेत्रों में विकास के कार्य हो रहे हैं। किसानों, मजदूरों, सरकारी कर्मियों, बुजुर्गों, महिलाओं, नौजवानों सहित हर वर्ग और तबके के लिए योजनाएं चला रहे हैं। हमारी सरकार ने लक्ष्य तय कर रखा है और उसी के अनुरूप कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे राज्य के लिए हर्ष उल्लास और उत्साह का दिन है। सरकार के 3 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कई योजनाओं और पोर्टल का शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना और प्री- मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लाभुकों के बीच डीबीटी के माध्यम से लगभग 951 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं। हमारी सरकार इसी मकसद के साथ कार्य कर रही है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर सरकारी योजनाओं को ससमय पूरा करने और मॉनिटरिंग केलिए जोहार परियोजना पोर्टल और खिलाड़ियों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन केलिए जोहार खिलाड़ी वेब पोर्टल लॉच किया।

अभी लम्बा सफर तय करना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद पिछले 20 वर्षों में किसी भी सरकार को ऐसी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, जैसा की हमारी सरकार के गठन के महज कुछ ही महीनों के बाद कोरोना जैसी महामारी ने पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया। 2 वर्षों तक कोरोना से हम जंग लड़ते रहे। इस दौरान हमारी सरकार ने बेहतर प्रबंधन के जरिए न सिर्फ जीविका को बचाया, बल्कि जीविकोपार्जन के भी साधन लोगों को उपलब्ध कराए। आज विकास को तेज करने का कार्य पूरी क्षमता और ताकत के साथ सरकार कर रही है। लेकिन, यह शुरुआत है। अभी हमें आगे लम्बा सफर तय करना है । झारखंड को विकसित और समृद्ध राज्य बनाना है।

नीतीश कुमार की 'समाधान यात्रा'

देश की यात्रा पर निकलेंगे नीतीश कुमार

बगहा से की समाधान यात्रा की शुरुआत; कहा- पहले अपने राज्य का विकास देख रहे हैं

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्रा शुरू हो गई है। ठंड के बीच मुख्यमंत्री बगहा से दरुआबाड़ी गांव पहुंचे। उन्होंने सरकारी योजनाओं का हाल जाना। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि बजट सत्र के बाद मैं देश की यात्रा पर निकलूंगा। उन्होंने कहा कि पहले अपने राज्य का विकास देख रहे हैं। यहां के सारे काम पूरे करेंगे। इसके बाद आगे बढ़ेंगे। बजट सत्र पूरा होने के बाद हम देश की यात्रा पर निकलेंगे। इससे पहले दरुआबाड़ी गांव की लड़कियों ने मुख्यमंत्री से स्कूल बनाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि तुरंत इसे देखिए। हमारी पहली प्राथमिकता बच्चों की पढ़ाई है। बगहा के बाद नीतीश कुमार बेतिया पहुंचे। यहां पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अफसरों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। सीएम की पहले चरण की यात्रा 29 जनवरी को लखीसराय में समाप्त होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यात्रा को लेकर ट्विटर पर लिखा है कि समाधान यात्रा के तहत बिहार में विकास कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के लिए आज से राज्य के विभिन्न जिलों की यात्रा करूंगा।इस यात्रा में महत्वपूर्ण योजनाओं का निरीक्षण, चिह्नित समूहों के साथ बैठक तथा जिलास्तरीय समीक्षा बैठक की जाएगी। इससे विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा लोगों की समस्याओं का समाधान होगा।

इसके पहले साल 2005 से लेकर अब तक 13 यात्राएं कर चुके हैं। इनमें 9 यात्राएं सरकारी, जबकि 5 राजनीतिक रही हैं। मुख्यमंत्री की हर यात्रा का अलग-अलग नाम रहा है। टारगेट ऑडियंस के लिहाज से यात्रा का नामकरण भी किया जाता रहा है। सबसे खास बात यह है कि इन 14 में से 9 यात्राएं ठंड के महीनों में निकाली गई हैं। नीतीश नवंबर से लेकर जनवरी तक सबसे ज्यादा यात्राओं पर निकले हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह 14वीं यात्रा है

नीतीश कुमार की प्रमुख राजनैतिक यात्राएं

12 जुलाई, 2005 से न्याय यात्रा (राजनीतिक) – नीतीश कुमार जब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बने थे, किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था तो उन्होंने न्याय यात्रा निकाली थी। लोगों के बीच जाकर अपने लिए न्याय की गुहार लगाई। नतीजा यह हुआ कि 2005 का नवंबर वाला चुनाव भाजपा के साथ मिलकर जीता और मिलकर सरकार बनाई थी।

9 जनवरी, 2009 से विकास यात्रा (सरकारी) – नीतीश कुमार तब ष्टरू बन गए थे। उन्होंने लोगों के बीच जाकर बताया कि किस–किस क्षेत्र में विकास किया है।

17 जून, 2009 से धन्यवाद यात्रा (राजनीतिक) – लोकसभा चुनाव के बाद धन्यवाद यात्रा पर निकले नीतीश कुमार तब छ्ष्ठ और झ्छ्क्क के अकेले स्टार प्रचारक थे। लोकसभा चुनाव में छ्ष्ठ और झ्छ्क्क को भारी सफलता मिली थी। इसलिए उन्होंने लोगों का धन्यवाद किया।

25 दिसंबर, 2009 से प्रवास यात्रा (सरकारी) – नीतीश कुमार ने जिलों में प्रवास कर वहां की समस्याओं को जानने की कोशिश की थी। अधिकारियों की मौजूदगी में सभी विकास योजनाओं की समीक्षा की थी। यह पूरी तरह से सरकारी यात्रा थी।

28 अप्रैल, 2010 से विश्वास यात्रा (सरकारी) – विधानसभा चुनाव 2010 से ठीक पहले शुरू हुई इस यात्रा का उद्देश्य था जनता का सरकार पर विश्वास बढ़ाना। लोगों के बीच में अपनी सरकार के प्रति विश्वास दिलाने को लेकर नीतीश कुमार ने यह आयोजन किया था।

9 नवंबर, 2011 से सेवा यात्रा (सरकारी) – विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोगों का धन्यवाद किया था। यात्रा के माध्यम से संदेश दिया कि बिहार के लोगों ने उन्हें सेवा करने का मौका दिया है, सेवा करेंगे।

19 सितंबर, 2012 से अधिकार यात्रा (राजनीतिक) – ष्टरू नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए जिलों में अधिकार यात्रा आरंभ की थी। पटना में मुख्य रैली हुई थी। इसके बाद जिलों में रैली की गई थी। विशेष राज्य के दर्जा को लेकर बड़ा आंदोलन भी किया गया था।

5 मार्च, 2014 से संकल्प यात्रा (राजनीतिक) – लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार ने यात्रा निकाली थी। देश में नरेंद्र मोदी की लहर के बीच नीतीश कुमार लोगों का मन टटोलने पहुंचे थे। लेकिन, भाजपा से नाता तोड़कर चुनाव लड़े नीतीश कुमार को लोकसभा में हार का मुंह देखना पड़ा।

13 नवंबर, 2014 से संपर्क यात्रा (राजनीतिक) – लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद आम लोगों से संपर्क करने के लिए यह यात्रा की गई थी। नीतीश कुमार जानना चाहते थे कि उनके प्रति लोगों की क्या सोच है।

9 नवंबर, 2016 से निश्चय यात्रा (सरकारी) – इस दौरान ष्टरू ने अपनी सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं खासकर सात निश्चय से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की थी।

7 दिसंबर, 2017 से समीक्षा यात्रा (सरकारी) – अपनी सरकार में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए नीतीश कुमार ने यात्रा की थी।

आगामी वर्ष-2023 में उत्तर प्रदेश में बहेगी विकास और निवेश की गंगा

उत्तर प्रदेश से होकर गुजरती है 5 ट्रिलियन के सपनों की राहः योगी

वर्ष-2023 उत्तर प्रदेश के विकास और निवेश के लिए एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। फरवरी में आयोजित होने जा रही इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से इस वर्ष आने वाले अभूतपूर्व निवेश से जहाँ प्रदेश के युवाओं को विविध क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे वहीं किसानों की आय भी बढ़ने जा रही है। भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में भी इस समूह के देश के विभिन्न मंत्रियों व अधिकारियों की बड़ी बैठकें होने जा रही है। ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निवेशकों व पर्यटकों को आकर्षित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहती और उसका मास्टर प्लान भी तैयार हो चुका है। आगामी वर्ष 2023 में प्रदेश में कई मेगा इवेंट होने जा रहे हैं। खेलो इंडिया मूवमेंट का आयोजन करने का दायित्व भी प्रदेश को मिला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के उद्योग जगत को प्रधानमंत्री के 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के संकल्प को पूरा करने में योगदान का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि देश में सबसे बड़ी आबादी का राज्य उत्तर प्रदेश इस संकल्प को पूरा करने के लिए तत्परता से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस समृद्ध आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है उसकी राह उत्तर प्रदेश से होकर जाती है। यूपी में पोटेंशियल है, विजन है और अपार संभावनाएं हैं। हम अपने प्रदेश में निवेशकों को हर जरूरी संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। इन संभावनाओं का लाभ लेने को उत्तर प्रदेश में उद्योग जगत का स्वागत है। देश की आर्थिक राजधानी कही

जाने वाली मुम्बई में देश के दिग्गज उद्योगपतियों, वित्तीय, बैंकिंग व औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, कारोबारियों, निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी को 10-12 फरवरी तक लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भागीदारी का निमंत्रण दिया। जीआईएस 23 के संबंध में विदेशों में हुए यूपी रोड शो की सफलता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद यह पहला मौका था जब निवेशकों को आमन्त्रण देने टीम यूपी 16 देशों के 21 शहरों में गई। हमें वहां शानदार रिस्पांस मिला। इस दौरान सात लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव हमें मिले हैं। वहीं घरेलू निवेशकों से संवाद के लिए जारी रोड शो के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, इसलिए यहां अपनों को आमन्त्रण देने मैं स्वयं आया हूं। बड़ी संख्या में निवेशकों की मौजूदगी देख मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी उपस्थिति टीम यूपी के लिए उत्साहवर्धक है।

कांग्रेस पंचायत प्रतिनिधियों से बोले कमल नाथ, गर्व से जनता के बीच जाएं और अपनी उपलबधियां बताएं

मध्यप्रदेश में चुनावी साल में कांग्रेस गांवों में अपने संगठन को मजबूत कर रही है। भोपाल के रविंद्र भवन में कांग्रेस ने पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मेलन बुलाया। पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने पंचायत के जनप्रतिनिधियों से कहा- आप बड़ी कठिन परिस्थितियों में चुनाव जीते हैं। आपके ऊपर पुलिस, पैसा, प्रशासन का दबाव था। राजधानी के रवींद्र भवन में प्रदेश कांग्रेस ने पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में प्रदेश के तमाम इलाकों से आए कांग्रेस के पंच प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में निर्वाचित प्रतिनिधियों ने कहा कि चुनाव में हमारे अधिकारों को लेकर भाजपा सरकार ने पुलिस, प्रशासन और पैसा का दुरुपयोग कर अध्यक्ष अपने बना लिए। पंचायत प्रतिनिधियों को अधिकार विहीन कर दिया है। कार्यक्रम में पंच, सरपंच और जिला व जनपद के प्रतिनिधियों से बूथ स्तर पर जुट जाने की अपील की गई। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अध्यक्ष कमल नाथ ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर पंचायत राज अधिनियम की मूल भावना के अनुसार अधिकार दिए जाएंगे। विधायक से ज्यादा सीधा संपर्क जनता से पंचायत प्रतिनिधियों का होता है। आप सभी पूरे गर्व के साथ आमजन के बीच जाएं और यह बताएं कि कांग्रेस सरकार ने जनहित में क्या-क्या कदम उठाए थे। साथ ही यह भी बताएं कि भाजपा सरकार कैसे हर मोर्चे पर असफल साबित हो रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवा, किसान, व्यापारी, महिला से लेकर हर वर्ग परेशान है। हमें जनता के साथ खड़े होने है। कमल नाथ ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। वहीं, अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

कमलनाथ ने चेताया- अधिकारियों से लेंगे हिसाबःबोले-हमारी चक्की बारीक पीसेगी

कमलनाथ ने कहा – ये ध्यान रहे कि 7- 8 महीने बाद बीजेपी के पास कुछ नहीं बचेगा। 7-8 महीनों में आपको भी आक्रमक होना पड़ेगा। आप भी सरकारी अधिकरियों, कर्मचारियों से कहना कि हम भी हिसाब लेंगे, हमारी भी चक्की चलेगी और बहुत बारीक पीसेगी। इधर भाषण के दौरान पर्ची भेजने पर कांग्रेस विधायक कांतिलाल भूरिया नाराज हो गए कमलनाथ ने कहा, राजीव गांधी ने पंचायती राज के अधिकार दिए। दिग्विजय सिंह की सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों को अधिकार दिए। आप लोगों को ये याद रखना है कि आपको जिनके वोट नहीं मिले, उनसे भी मिलिए, उन्हें बीजेपी की तरफ मत धकेलिए। एक वक्त था, जब बीजेपी के पास बूथ का कार्यकर्ता नहीं था। मैं 40-42 साल से चुनाव लड़ता आ रहा हूं। आप सबको समेटिए, साथ लेकर चलिए। जिन 60-70 प्रतिशत लोगों के वोट आपको नहीं मिल पाए, उन्हें अपने साथ जोड़िए। कांग्रेस की सरकार आएगी, तो महात्मा गांधी के सपने और राजीव गांधी के बनाए कानून का क्रियान्वयन करेंगे। 15 साल बाद कांग्रेस की सरकार बनी, तो कई चुनौतियां थीं। 15 महीने में हमने नीति और नीयत का परिचय दिया। पहली किश्त में 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। शिवराज सिंह भाषण दे रहे, इन्वेस्टर्स समिट कर रहे हैं। भाषण से कुछ नहीं होता, विश्वास से निवेश आता है। मप्र की भ्रष्टाचार से, माफिया से पहचान है। हमने एक नई पहचान बनाने की कोशिश की थी। हमने माफिया के खिलाफ अभियान चलाया, मिलावट के खिलाफ युद्ध चलाया। पीसीसी चीफ ने कहा, हम रोजगार की बात करते हैं, तो बीजेपी राष्ट्रवाद ले आती है। ये हमें राष्ट्रवाद सिखाएंगे। मैं पूछता हूं, एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम बताएं, जो उनके साथ जुड़ा हो, वे कांग्रेस को राष्ट्रवाद पढ़ाएंगे। बीजेपी के लोग 70 सालों की बात करते हैं। पूछते हैं कि 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जिस स्कूल में मोदी, शिवराज पढ़े हैं, वो स्कूल भी कांग्रेस ने बनवाए हैं। आप लोग गांवों में जाइए, आपको सिर झुकाने की जरूरत नहीं है। छाती ठोक कर कहिएगा कि 15 महीने में हमने यह किया और बीजेपी की पोल खोलिएगा। मैंने ट्वीट किया है कि करणी सेना ने जो मांगें रखी हैं, उनकी बात सुनी जाए। उनको दबाने से थोड़े ही काम चलेगा। उनकी बात सुननी चाहिए। कांग्रेस की हमेशा ये नीयत रही है कि सबकी बात सुनो और जो जायज हो, उसे लागू करो कमलनाथ ने कहा, 18 साल में क्या निवेश आया, इसके आंकड़े सबके सामने हैं। ये भारत सरकार ने दिए हैं। विधानसभा में जवाब मिला है। 6500 प्रस्ताव पहले इन्वेस्टर्स समिट में आए थे।

भाजपा का शंखनाद अबकी बार 200 पार

गुजरात चुनाव के नतीजों के बाद बीजेपी ने मध्यप्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया है। सत्ता-संगठन में बड़े बदलाव और फेरबदल की सुगबुगाहट के बीच पार्टी के सीनियर लीडर्स ने गुजरात फॉर्मूला मप्र में भी लागू करने के संकेत दिए हैं। कटनी में शनिवार को आयोजित पार्टी की बड़ी मीटिंग में पहली बार नेताओं ने अबकी बार 200 पार का नारा दिया। वहीं, 50प्रश वोट शेयर का टारगेट रख कार्यकर्ताओं को मैदान में उतरने की सलाह दी है। बैठक में सीएम शिवराज सिंह चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत मप्र के नेता शामिल हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चीन के मुद्दे पर दिए बयान को लेकर राहुल गांधी को घेरा। उन्होंने कहा- राहुल गांधी 1962 याद कर लो। चीन ने भारत के कितने क्षेत्र पर कब्जा किया था। राजीव गांधी के समय पिद्दी-पिद्दी से देश भी डराते थे। बता दें कि शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर राहुल गांधी ने कहा था कि चीन हमारे सैनिकों को पीट रहा है। बैठक में केंद्रीय फग्गन सिंह कुलस्ते, राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया ने भी संबोधित किया। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में बीजेपी गुजरात फॉर्मूला भी अपना सकती है। बीजेपी ने गुजरात में कई मंत्रियों और सिटिंग विधायकों के टिकट काटे थे। पार्टी ने सत्ता-संगठन में बड़े बदलाव भी किए थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने किया क्षत्रिय समागम को संबोधित

मनुआभान की टेकरी पर स्थापित होगी महारानी पद्मावती की प्रतिमा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महाराणा प्रताप ने कभी भी स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया। वे हमारी शक्ति, सामर्थ्य और प्रेरणा के स्रोत हैं। पृथ्वीराज चौहान ने 18 बार विदेशी अक्रांताओं को परास्त किया था। राणा सांगा, बप्पा रावल, रानी पद्मावती, कुंवर सिंह, राणा बख्तावर सिंह, कुंवर चैन सिंह एक नहीं अनेक ऐसे शूरवीर और क्रांतिकारी भारत भूमि में हुए, जिन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दुश्मन को नेस्तनाबूद कर दिया। देश की सीमाओं की रक्षा हो या दीन-हीन और कमजोरों की अत्याचार से रक्षा, क्षत्रिय समाज ने कभी अपनी जान की परवाह नहीं की। ऐसे भाई-बहनों को मैं प्रणाम करता हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास परिसर में क्षत्रिय समागम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश के लिए जीने मरने वालों और धर्म संस्कृति की रक्षा करने वालों की छवि धूमिल करने का किसी को अधिकार नहीं है। राज्य सरकार सबके साथ-सबके विकास में विश्वास रखती है। सरकार की ओर से समाज के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने तथा उसमें वृद्धि के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्षत्रिय समागम में प्रस्तुत 21 सूत्रीय मांग पत्र के परिप्रेक्ष्य में मांगे स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप की जयंती पर अवकाश स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फिल्म पद्मावती पर प्रतिबंध की मांग को लेकर हुए आंदोलनों संबंधी प्रकरण वापिस लिए जाएंगे। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाने के संबंध में समाज के साथ मिल कर कार्य-योजना बनाई जाएगी। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों से कम परीक्षा शुल्क लिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों और परिवारों की वंशावली आदि से छेड़छाड़ करने वालों पर कानून कार्यवाही की जाएगी। पाठ्यक्रम समिति में एक प्रतिनिधि राजपूत समाज का होगा, इतिहास को सही संदर्भ में लिखा जाएगा और पाठ्यक्रमों की गड़बड़ियों को ठीक किया जाएगा।

भदौरिया की डार्लिंग ने किए 100 से अधिक डाकुओं का शिकार

पुष्पांजली टुडे
स्पेशल स्टोरी

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट D.S.P अशोक सिंह भदौरिया अब तक अपने जीवन में 116 से ज्यादा दुर्दात डकैतों का एनकाउंटर कर चुके है. भदौरिया देश का सबसे बड़ा वीरता पदक राष्ट्रपति वीरता पदक को 16 बार जीतने वाले अकेले अधिकारी हैं.

अशोक सिंह भदौरिया 'चंबल का शेर'

चंबल का एक ऐसा शेर जिसका नाम सुनते ही डाकू बदल देते थे अपना ठिकाना। हम बात कर रहें हैं, पूर्व डी.एस.पी. अशोक सिंह भदौरिया की जिसकी बंदूक ने लगभग 116 डाकुओं का शिकार किया था। इनको एनकाउंटर स्पेशलिस्ट भी कहा जाता था। अशोक सिंह भदौरिया ग्राम किशुपुरा (जिला - भिण्ड) जनपद अटेर के निवासी हैं। इनके पिता का नाम स्व. नरेन्द्र सिंह भदौरिया (डैडी) था। इनके पिता पूर्व एस.पी. और भिण्ड मंडी के अध्यक्ष भी रहें हैं। अशोक सिंह भदौरिया चार भाई हैं, अशोक सिंह भदौरिया, सुरेश सिंह भदौरिया,संजय भदौरिया और राजीव सिंह भदौरिया उर्फ गुड्डू हैं। अशोक सिंह भदौरिया भाईयों में सबसे बडे हैं।

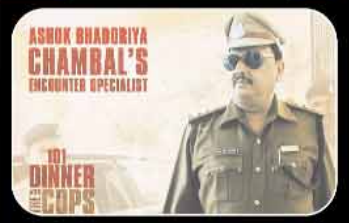

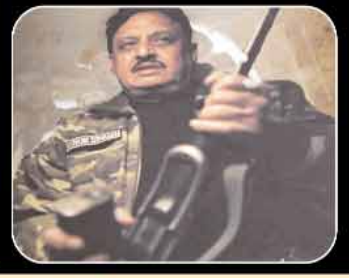

म.प्र. पुलिस में पहली नियुक्ति

अशोक सिंह भदौरिया की नियुक्ति सर्वप्रथम आरक्षक के पद हुई थी। 1980 और 1990 के दशक में ग्वालियर और चंबल संभाग में डाकुओं का आतंक था। जैसे ही अशोक सिंह भदौरिया ने अपना पद संभाला,उसी दिन से डाकुओं की उल्टी गिनती शुरू हो गई थी। कुछ ही दिनों में भदौरिया को डकैतों का काल कहा जाने लगा। जब डकैतों ये पता चलता था कि आज भदौरिया उस इलाके में हैं,तो डकैत अपना ठिकाना बदल दिया करते थे।

भदौरिया की बंदूक एके-47 उर्फ" डार्लिंग "

भदौरिया अपनी एके-47,बंदूक को प्यार से डार्लिंग कहकर संबोधित करते थे। उन्होंने इस डार्लिंग से दयाराम गडरिया गैंग,बेजू गडरिया गैंग,रामबाबू गडरिया,रघुवर गडरिया गैंग और ना जाने कितनी गैंग का सफाया किया था। भदौरिया ने 1000 से डकैतों का आत्मसमर्पण कराया। एक बार डाकुओं से टकराव के दौरान उनके पैर में गोली लग गई जिसकी कारण उनको कई दिनों तक बिस्तर पर रहना पडा। स्वस्थ होने का बाद भदौरिया ने पुनः बंदूक उठा ली।

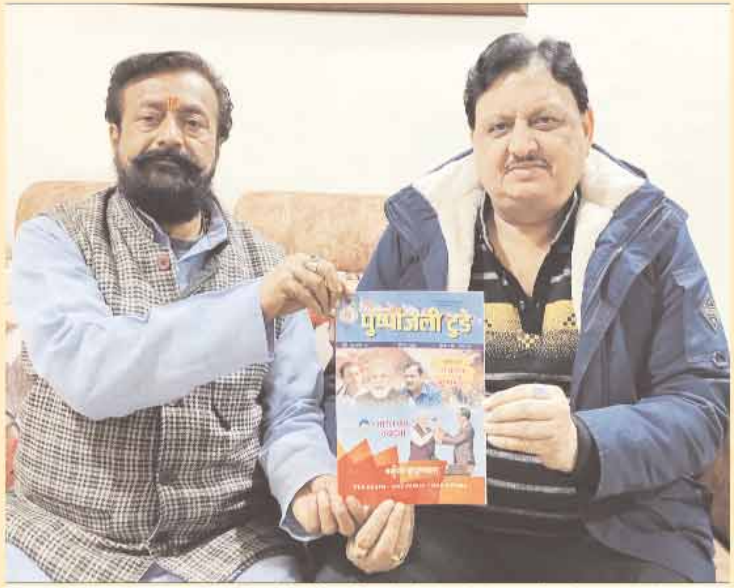

पुष्पांजली टुडे के उप सम्पादक छोटे सिंह भदौरिया की पूर्व डी.एस.पी. अशोक सिंह भदौरिया के साथ की गई खास मुलाकात के कुछ अंश

फर्जी मुठभेड का आरोप

सन् 2002 में भदौरिया पर एक फर्जी मुठभेड का आरोप भी लगा लेकिन कोई सबूत न मिलने के कारण 2004 में उन्हें इस कैस से बरी कर दिया गया। उन्होंने बीहड में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार को समाप्त किया और महिलाओं को सशक्त बनाकर सशक्तीकरण की मिशाल पेश की थी।

म.प्र. पुलिस सेवा के पश्चात का सफर

अशोक सिंह भदौरिया ने पुलिस सेवा के पश्चात् अपना जीवन जनसेवा में लगा दिया। अशोक सिंह भदौरिया के समाजसेवी व्यवहार कारण अनेक संगठनों में उन्हें उच्च पद पर आसीन किया गया है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत , में राष्ट्रीय संरक्षक के पद रहते हुये समाज सेवा का कार्य कर रहें है।

भदौरिया ग्रुप

अशोक सिंह भदौरिया ने ''भदौरिया ग्रुप' के इंडेक्स / अमलतास हॉस्पिटल हॉटल सहित सी.एम. रिलीफ फंड में कोरोना के खिलाफ लडाई में 20 लाख रू. का सहयोग प्रदान किया। कोरोना के दौरान जो ग्वालियर - चंबल के जो प्रवासी अन्य राज्यों में फंसे थे, उन लोगों के भोजन एवं अन्य सामान की व्यवस्था कर उन्हें अपने घर तक पहुंचान का कार्य किया। अशोक सिंह भदौरिया का 16 बार अपनी वीरता और उत्कृष्ट कार्य कौशल के लिए '' राष्ट्रपति वीरता पदक '' के चयन हुआ। अब अशोक सिंह भदौरिया ने अटेर (भिण्ड) की जनता की मांग पर अपना रूख राजनीति की ओर कर दिया है।

विश्व हिंदी दिवस

हिन्दी

ही है नये भारत-सशक्त

भारत का आधार

विश्व योग दिवस, विश्व अहिंसा दिवस आदि भारतीय अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़े विश्व दिवसों की श्रृंखला में विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विश्व हिंदी दिवस पहली बार 10 जनवरी, 2006 को मनाया गया था। आज हिन्दी विश्व की सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा है, विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एक बड़ा प्रश्न है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी को प्रतिष्ठापित करने एवं उचित सम्मान देने की जरूरत इसलिये है कि हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। वर्तमान में 637 मिलियन लोग हिंदी भाषा का उपयोग करते हैं। हिंदी भारत की राजभाषा है। सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को समेट हिंदी अब विश्व में लगातार अपना फैलाव कररही है, हिन्दी राष्ट्रीयता की प्रतीक भाषा है, उसको राजभाषा बनाने एवं राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठापित करने के नाम पर भारत में उदासीनता एवं उपेक्षा की स्थितियां परेशान करने वाली है, विडम्बनापूर्ण है। विश्वस्तर पर प्रतिष्ठा पा रही हिंदी को

देश में दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। हमने जिस त्वरता से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में पहल की, उसी त्वरा से राजनैतिक कारणों से हिन्दी की उपेक्षा भी है, यही कारण है कि आज भी देश में हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंटरनेट के इस युग ने हिंदी को वैश्विक धाक जमाने में नया आसमान मुहैया कराया है। हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीयता की हानि है। जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनीतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय प्रतीकों के लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करना होगा। हिन्दी को उसका गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी के प्रयत्नों को राष्ट्र सदा स्मरणीय रखेगा। क्योंकि मोदी ने सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर न केवल हिन्दी को गौरवान्वित किया बल्कि देश के हर नागरिक का सीना चौड़ा किया। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 70 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों? शेक्सपीयर ने कहा था-'दुर्बलता! तेरा नाम स्त्री है।' पर आज शेक्सपीयर होता तो आम भारतीय एवं सरकारों के द्वारा हो रही हिन्दी की उपेक्षा के परिप्रेक्ष्य में कहता-'दुर्बलता! तेरा नाम भारतीय जनता एवं शासन व्यवस्था है।' क्योंकि दुनिया में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ रहा है, लेकिन हमारे देश में ऐसा नहीं होना, इन्हीं विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियों को ही दर्शाता है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में आपसी लोगों से सम्पर्क स्थापित करने का अभिनव कार्य किया है। लेकिन अंग्रेजी के वर्चस्व के कारण आज भी हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। विशेषतः अदालतों में आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व कायम रहना, एक बड़ा प्रश्न है।

खुद अपाहिज पर लोगों को सहारा दे गये: लंगट सिंह

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

लंगट सिंह कॉलेज,मुजफ्फरपुर का नाम सुना होगा। इसके संस्थापक थे लंगट सिंह। 3 जुलाई सन् 1899 में इस कॉलेज की नींव उन्होंने रखी मगर तब इसका नाम भूमिहार ब्राह्मण कॉलेजियट स्कूल था। चौंकाने वाली बात यह कि जिस जमाने में राजा जमींदार लोग शिक्षण संस्थान बनवाते थे। उस समय लंगट सिंह नामक मुजफ्फरपुर के धरहरा ग्राम में जन्में तथा रेल्वे कुली की नौकरी कर रहे 49 वर्षीय व्यक्ति ने इस कॉलेज की स्थापना की। इतना ही नहीं, स्थापना में उन दिनों 100000 रूपये की मदद दी। वहां लंगट सिंह ये महाराजा धिराज रामेश्वर सिंह के बुलावे पर गए थे। मात्र कक्षा 4 तक पढाई करने वाले एवं निरक्षर और एक पैर से अपाहिज इन महापुरूष ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए कुछ अलग करने का निश्चिय किया। ये किसान परिवार में जन्म लिए थे। अल्प शिक्षा के बाद दरभंगा समस्तीपुर रेल लाइन पर टेलीफोन सेक्शन में काम करने लगे। शरीर से हष्टपुष्ट और सुंदर इन आर्यपुत्र ने ग्रीयर विल्सन नामक अंग्रेज इंजीनियर को अपनी मेहनत और मितभाषिता से मोह लिया। इस कारण उनकी कृपादृष्टि बन गई। उनकी पत्नी ने भी इन्हें मद की और रेलवे टेलीफोन की ठेकेदारी मिल गई। लगभग साढे 7 वर्ष की इस नौकरी में वे कमाई की ऊँचाई पर थे। जब दरभंगा नरेश उन्हें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना से पूर्व होने वाली मीटिंग में लेकर गए तब लंगट सिंह की पहचान एक छोटी मोटी हस्ती के रूप में थी। बैठक के समय जब विश्वविद्यालय निर्माण हेतु चंदे की बात चलने लगी बत महामना पंडित मदन मोहन मालवीय प्रभूति विद्वानों और कुछ समर्थवान लक्ष्मीपुत्रों सामने उन्होंने एक लाख रूपये दान देने का प्रस्ताव रखा। उस समय उस सभा में उपस्थित सभी विद्वतजनों की आंखें फटी रह गई थी।

लंगट सिंह कॉलेज,मुजफ्फरपुर

सन् 1899 में जब मुजफ्फरपुर में भूमिहार ब्राह्मण महासभा की बैठक इनके नेतृत्व में चल रही थी तब इन्होंने भूमिहार ब्राह्मण कॉलेजियट के लिए 13 एकड जमीन और आर्थिक सहायता देने का भी वचन दिया। ऐसी विभूतियों की चर्चा कम ही होती है। बिहार इन्हें सिर्फ कॉलेज के नाम से ही जानता है। इनकी जीवनी प्रथम बार रामवृक्ष बेनीपुरी ने लिखी। इस लंगट सिंह कॉलेज में कभी रामधारी सिंह दिनकर व्याख्याता के पद पर नौकरी करते थे।

प्रारंभिक जीवन:-

लंगट सिंह का जन्म सन् 1851 में धरहरा,वैशाली निवासी एक अत्यंत गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री अवध बिहारी सिंह था। निर्धनता का अभिशाप झेलते जीवन जीने को संघर्ष करते परिवार में जन्म लेने की वजह से लंगट बाबू पढाई नहीं कर पाए। कहा जाता है कि मनुष्य जीवन का विकास जटिल परिस्थितियों में होता है। संघर्ष की अग्नि से तपकर लोग यशस्वी बनते हैं। अपनी लगन,मेहन और दूरदर्शी सोच से कीर्तिमान गढते हैं। लंगट सिंह ने भी संघर्ष का रास्ता चुना। वे 24 - 25 वर्ष की उम्र में जीविका की तलाश में घर से निकल पडे। वे महाविद्यालय के प्राचार्य रहे प्रख्यात शिक्षाविद व साहित्यकार डॉ. धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह हेतु लिखे अपने लेख में लिखते है कि जब लंगट बाबू जीविका की ,खोज में अपना गॉव छोडकर चले थे तो उनके पास एक धोती और चार गोरखपुरिया पैसे मात्र थे। वे अकिंचन ही चले थे,पर कुछ ही वर्षों में अपनी कार्य और प्रतिभा की बदौलत वे लखपति बन गए।

लंगट बाबू ने एक साधारण मजदूर के रूप में अपनी संघर्ष यात्रा शुरू की थी। घर से निकले तो काम मिला भी तो रेल पटरी के साथ साथ बिछाए जा रहे टेलीग्राम के खम्भों पर तार लगाने का । लेकिन अपनी कठोर मेहनत,व्यवहार कुशलता के बल पर अत्यंत सम्मानित ठेकेदार और उदार जमींदार के रूप में स्थापित हो गये। रेलवे से संबंधित एक काम का निरिक्षण करके लौट रहे लंगट बाबू की ट्राली मालगाडी से टकरा गयी,जिसकी वजह से उनका एक पैर एकदम चूर चूर हो गया। बाद में उस पैर को कटवाना पडा। मगर उनहोंने हार नही मानी। एक पांव से ही लाठी के सहारे फिर से सक्रीय हो गए। पैर कटने की वजह से ही वे लंगड से होते होते लंगट सिंह के नाम से विख्यात हो गए। तमाम झंझावातों को सहते रेलवे के मामूलीी मजदूर से जमादार बाबू,जिला परिषद,रेलवे और कलकत्ता नगर निगम के प्रतिष्ठित ठेकेदार बनने की कहानी ,आधुनिक फिल्मों की पटकथा से कम नहीं लगती।

लंगट सिंह कॉलेज का मुख्य द्वार,मुजफ्फरपुर

लंगट सिंह कॉलेज,मुजफ्फरपुर

स्वतंत्रता आन्दोलन:-

लंगट बाबू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से भी जुडे हुए थे। सन् 1959 में हुए स्वर्ण जयंत समारोह में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने भाषण में उनसे 1906 में कलकत्ता में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में मिलने की बात कही थी,जहॉ लंगट बाबू ने स्वदेशी प्रदर्शनी हेतु अत्यंत कम समय में भव्य पांडाल बनवाया था। वे 1910 में कांग्रेस की इलाहबाद में हुए अधिवेशन में मुजफ्फरपुर से प्रतिनिधि के रूप में 7 दिसंबर को बैठक में निर्वाचित हुए थे।

उपाधि:-

प्रयाग कुंभ में भारत धर्म महामंडल द्वारा लंगट बाबू को बिहार रत्न की उपाधि दी गयी थी।

अंतिम यात्रा:-

15 अप्रैल 1912 को मुजफ्फरपुर के इतिहास के समाजसेवा और शिक्षा के पन्नों में हमेशा के लिए अपना स्थान बनाकर मुजफ्फरपुर को अनाथ बनाकर चले गये,लेकिन जब भी मुजफ्फरपुर का इतिहास लिखा जायेगा तो वह लंगट बाबू के बिना अधूरा ही रहेगा।

नववर्ष पर ग्वालियर पुलिस ने लौटाई लोगों के चेहरों पर मुस्कान

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

ग्वालियर। एसएसपी अमित सांघी को मोबाइल गुम होने संबधी आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे है। एसएसपी सांघी द्वारा उक्त आवेदनों पर कार्यवाही कर उन्हे ट्रेस करने हेतु एएसपी क्राइम राजेश डण्डोतिया को निर्देशित किया। एएसपी क्राइम द्वारा सायबर सेल की टीम को ग्वालियर जिले से गुम हुये मोबाइलों को टेऊस कर शीघ्र बरामद करने हेतु लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच दामोदर गुप्ता एवं प्रभारी सायबर सेल उपनिरीक्षक श्रीमती रजनी सिंह रघुवंशी के द्वारा मोबाइल गुम होने संबधी प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु सायबर सेल की टीम को लगाया गया। सायबर सेल टीम द्वारा उक्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुये विभिन्न कम्पनियों के मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। सायबर सेल की टीम ने माह नवम्बर-दिसम्बर में लगभग 13 लाख 92 हजार रूपये कीमत के 77 मोबाइल बरामद किये जो कि एप्पल, ओपो, वनप्लस, सेमसंग, वीवो, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई, लाईफ, पोको आदि कंपनियों के है। जिनको नववर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में ग्वालियर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया।

पेश की इंसानियत की मिसाल

मध्य प्रदेश की एक महिला पुलिस कर्मी ने जो इंसानियत की मिसाल पेश की है, उसका हर कोई कायल हो गया है। कैसे एक राहगीर को जब हार्ट अटैक आया तो लेडी इंस्पेक्टर ने अपनी सूझबूझ से उसकी जान बचा ली। अगर जरा सी भी देरी होती तो युवक की मौत भी हो सकती थी। ये बात सामने आने के बाद अब लोग लेडी पुलिस ऑफिसर की तारीफ कर रहे हैं। खुद प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने वीडियो कॉल कर बहादुरी को सलाम किया। सूबेदार सोनम पाराशर के द्वारा किये गये उक्त पुनीत कार्य की सभी लोगों ने प्रशंसा जा रही है। विगत दिनों ग्वालियर पुलिस के इस कार्य से आमजन में पुलिस की एक अच्छी छवि बनकर उभरी है। अति. पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन डी.श्रीनिवास वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में सूबेदार सोनम पाराशर को सम्मानित किया गया और उनके द्वारा किये गये सराहनीय व पुनीत कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सराहनीय कार्यों के लिए मिला सम्मान

''महिला हिंसा उन्मूलन'' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की ब्रांड एंबेसडर मेधा परमार, अति. पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री डी.श्रीनिवास वर्मा,भापुसे, श्री सुरेश सिंह तोमर, संयुक्त निदेशक महिला बाल विकास विभाग भोपाल, पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे, एवं महिला सेल की नोडल अधिकारी/अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) ग्वालियर श्रीमती मृगाखी डेका,भापुसे सहित पुलिस के अधिकारी व कर्मचारीगण व स्कूल/कॉलेज की छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपस्थित अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। ग्वालियर जिले में महिला संबंधी उत्कृष्ट विवेचना, महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही, महिला हिंसा उन्मूलन, महिला अपराधों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया गया। अतिथि मेघा परमार द्वारा उक्त क्षेत्र में किये गये सराहनीय कार्य के लिये सीएसपी महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया, सीएसपी इन्दरगंज विजय भदौरिया, निरीक्षक संजीव नयन शर्मा, निरीक्षक राजकुमारी परमार, उप निरीक्षक दिव्या तिवारी, उप निरीक्षक अंकिता भार्गव, प्र.आर. पुष्पा मुखर्जी, महिला आरक्षक पूनम तोमर को सम्मानित किया गयाकार्यक्रम के दौरान मेघा परमार ने कहा कि महिला का पहला कदम ही सुरक्षा है, यदि कोई व्यक्ति आपसे बात करता है तो उसे एक मर्यादा तक ही सीमित रखना चाहिए।

राहुल के बिना बेरंग सियासत

को ई माने या न माने किंतु भारतीय राजनीति कांग्रेस के राहुल गांधी के बिना बेरंग है,इस हकीकत को अब कांग्रेस के साथ ही भाजपा ने भी मान ली है। जैसे भाजपा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भगवान का अवतार है उसी तरह कांग्रेस में भी राहुल गांधी को अवतार मानने वाले सलमान खुर्शीद जैसे तमाम लोग मौजूद हैं।

राकेश अचल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में कांग्रेस भले ही रसातल की ओर जा रही है लेकिन राहुल लगातार सबके सपनों में आते जाते रहते हैं। आजकल राहुल भारत जोड़ो यात्रा पर हैं, उन्होंने ब्रेक लिया है, लेकिन उन्हें लेकर शुरू हुई चर्चाओं पर ब्रेक नहीं लग रहा।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी को भगवान राम और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भरत बताया है। खुर्शीद ने कहा- भगवान राम की खड़ाऊ बहुत दूर तक जाती है। कभी-कभी जब राम जी नहीं पहुंच पाते तो भरत खड़ाऊ लेकर जगह-जगह जाते हैं। ऐसे ही हम यूपी में खड़ाऊ लेकर आए हैं। अब खड़ाऊ आ गई है तो राम जी भी आएंगे।

खुर्शीद डूबते सूरज हैं लेकिन राहुल के हनुमान बनकर चमकते रहना चाहते हैं, शायद इसीलिए उन्होंने राहुल गांधी को सुपरह्यूमन भी बताया। उन्होंने कहा- जब हम ठंड में ठिठुर रहे हैं और जैकेट पहन रहे हैं, वह टी-शर्ट में देशभर की यात्रा कर रहे हैं। राहुल गांधी एक योगी की तरह हैं जो अपनी तपस्या पूरे ध्यान से कर रहे हैं। सलमान खुर्शीद के बयान पर मुझे हंसी भी आई और दया भी लेकिन भाजपा के नेताओ को भी चैन नहीं है। उन्हें सोते -जागते राहुल ही नजर आते हैं जैसे बिल्ली को ख्वाब में छिछड़े नजर आते हैं। अब राहुल भी कमाल की चीज है। यात्रा ब्रेक के दौरान वे अटल समाधि जा पहुंचे । बस इसी को लेकर भाजपा ने उन पर हमला बोल दिया है। भाजपा ने कहा है कि अगर कांग्रेस वाकई अटलजी का सम्मान करती है, तो उन्हें अंग्रेजों का मुखबिर कहने वाले गौरव पांधी को कांग्रेस से निकाले। साथ ही उनके बयान के लिए माफी भी

मांगे। भाजपा से राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम ने राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से करने पर नाराजगी

जताई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपनी सेना (पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं) को भी बताएं कि वो क्या लेते हैं, जिससे उन्हें सर्दी नहीं लगती।

कांग्रेस में जैसे मोदी जी से जड्डू लेने की होड़ लगी हुई है ठीक वैसे ही भाजपा में भी सब राहुल को गरिया कर अपने नंबर बढ़ाना चाहते हैं। भाजपा के होनहार सांसद दुष्यंत गौतम ने कहा- राहुल अगर राम हैं तो उनकी सेना बिना कपड़ों के क्यों नहीं घूमती। कांग्रेसियों को तो बिना कपड़ों के घूमना चाहिए। जैसे भगवान राम की वानर सेना बिना कपड़ों के घूमती थी। अगर राहुल गांधी कोई प्रसाद लेते हैं, जिससे उन्हें सर्दी नहीं लगती तो उस प्रसाद के बारे में अपनी मां और बहन को भी बताना चाहिए कि कपड़ों पर इतना पैसा क्यों खर्च करते हैं। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के उत्तर प्रदेश चरण पहुंचने पर यात्रा में भाग लेने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और रालोद के जयंत चौधरी सहित गैर-भाजपा दलों के कई नेताओं को आमंत्रित किया है। राहुल गांधी का क्या ठिकाना कि वे कल भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को ही यात्रा में शामिल होने का न्योता दे दें? बहरहाल ये तय है कि भारतीय राजनीति में भले नीतीश कुमार हो, ममता बनर्जी हों, अखिलेश यादव हों, मायावती हों या कोई और हो,। मोदी और राहुल गांधी के बिना सियासत में रंग नहीं आ सकता। इसलिए राहुल को हल्के में मत लीजिए। पता नहीं कब, कि से जादू की झप्पी देकर मामू बना दे।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ग्वालियर जिले के ग्राम करहिया पहुँचकर धन्यवाद सभा में हुए शामिल

किसान सशक्त होंगे तभी देश सशक्त होगा: सिंधिया

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

जब किसान सशक्त होगा तभी भारत भी सशक्त होगा। इसी सोच के साथ सरकार ग्रामीण अंचल का सुनियोजित विकास कर रही है। यह बात केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कही। श्री सिंधिया ग्वालियर जिले के ग्राम करहिया में आयोजित हुई धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। यह धन्यवाद सभा बहुप्रतीक्षित चीनौर-करहिया-भितरवार सड़क मार्ग की मंजूरी मिलने पर क्षेत्र की जनता द्वारा आयोजित की गई थी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के विशेष प्रयास से लगभग 74 करोड़ 80 लाख रूपए की लागत से यह सड़क मंजूर हुई है। धन्यवाद सभा की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की।

धन्यवाद सभा में लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़ (राठखेड़ा) व नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओ पी एस भदौरिया, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक श्री जवाहर सिंह रावत व श्री रामबरन सिंह गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री कौशल शर्मा, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि श्री मोहन सिंह राठौर तथा जिला पंचायत व जनपद पंचायत के पदाधिकारी व करहिया ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राजेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे। धन्यवाद सभा में भारी संख्या में जन समूह मौजूद था।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने ग्वालियर जिले के ऐतिहासिक गाँव करहिया की माटी को नमन करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए सिंधिया राज्यकाल समर्पित रहा। वर्तमान में केन्द्र व राज्य सरकार विकास को और ऊँचाईयां प्रदान कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि चीनौर-करहिया-भितरवार सड़क का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ कराया जायेगा। सड़क निर्माण पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखी जायेगी। साथ ही कहा कि यह सड़क चीनौर-करहिया-भितरवार क्षेत्र के लिये विकास के नए रास्ते खोलेगी। श्री सिंधिया ने इस अवसर पर भरोसा दिलाया कि करहिया गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण भी कराया जायेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत हर साल किसानों के खाते में 6 हजार रूपए जमा करा रही है। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसान के खाते में 4 हजार रूपए की धनराशि जमा कराई जा रही है। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि ग्रामीण अंचल में सड़क, बिजली, सिंचाई व पेयजल की सुदृढ़ व्यवस्था करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। सरकार ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने कहा भितरवार क्षेत्र में भी विकास की यह धारा तेजी के साथ आगे बढ़ती रहेगी। सांसद श्री शेजवलकर ने इस अवसर पर खुशखबरी सुनाते हुए कहा कि आरोन, पाटई सहित इस क्षेत्र के सैंकड़ों गाँवों की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की कार्ययोजना बन चुकी है। जल्द ही हरसी बांध से आरोन - पाटई होते हुए घाटीगाँव तक पाइप लाईन बिछाई जायेगी। इस महती योजना से इस क्षेत्र के सैकड़ों गाँव की पेयजल समस्या का हमेशा के लिये निदान होगा।

स्वागत उदबोधन भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री कौशल शर्मा ने दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि श्री मोहन सिंह राठौर एवं ग्राम पंचायत करहिया के सरपंच श्री राजेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने भी उदबोधन दिया और क्षेत्र के लिए विभिन्न विकास कार्यों की मांग रखी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने विकास कार्यों की मांगों को योजनाबद्ध ढंग से पूरा करने का भरोसा दिलाया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। श्री सिंधिया ने सामूहिक करतल ध्वनि के साथ केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गड़करी के प्रति जताया आभार केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस मौके पर मौजूद सम्पूर्ण जन समूह के साथ खड़े होकर एवं सामूहिक रूप से तालियाँ बजाकर चीनौर-करहिया-भितरवार सड़क की मंजूरी देने के लिये केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गड़करी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

चीनौर-करहिया-भितरवार सड़क की मंजूरी मिलने के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय जनता ने किया धन्यवाद सभा का आयोजन

181 जेसी मिल के श्रमिकों को मिले आवासीय पट्टे

जेसी मिल श्रमिकों के हित में लिए गए संकल्प को पूरा किया जा रहा है:सिंधिया

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने फूलबाग पर मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा 112 करोड़ की लागत से बनाये जा रहे 132 केव्ही जीआईएस (गैस इंसुलेटेड स्वीच गियर सब-स्टेशन) विद्युत उपकेन्द्र की आधारशिला रखी। इसके बाद हजीरा स्थित इंटक मैदान में आयोजित हुए कार्यक्रम में जेसी मिल के श्रमिकों को आवासीय पट्टे वितरित किये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जेसी मिल श्रमिकों के हित में सरकार जो संकल्प लिया था आज वह पूरा होने जा रहा है। जेसी मिल के 710 श्रमिकों को खुद के मकान का मालिकाना हक देने की शुरूआत हुई है।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि जेसी मिल के बंद होने के बाद बिरलानगर क्षेत्र की विभिन्न आवासीय लाइनों में जो श्रमिक निवासरत हैं, उनमें हमेशा घर से बेदखल होने का भय समाया रहता था। मिल बंद होने से रोजगार तो गया ही साथ ही घर भी चला गया तो बच्चों के साथ कहां जाएंगे। श्रमिकों की यह चिंता दूर करने के लिए जो वादा किया गया था उसे सरकार पूरा कर रही है। श्रमिकों को घर का मालिकाना हक दिलाने के लिए लगभग एक हजार अवासीय पट्टों का वितरण किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि शहर में 132 केव्ही जीआईएस विद्युत उपकेन्द्र के रूप में नया आयाम जुड़ने जा रहा है। इस विद्युत सब स्टेशन से फूलबाग, हजीरा, सेवानगर, तानसेन नगर, लोहामंडी, कांचमिल, औद्योगिक क्षेत्र, तानसेन नगर, प्रेमनगर, आर.पी. कॉलोनी, किलागेट, पडाव, शिंदे की छावनी, गांधी नगर, सिटी सेंटर, कांति नगर, मानिक विलास कॉलोनी, बसंत विहार, माधव नगर, अनुपम नगर व चेतकपुरी क्षेत्र में निवासरत बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। आगामी 25-30 वर्षों तक उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति इस विद्युत उप केन्द्र के निर्माण से सुनिश्चित होगी। इससे शहर के आर्थिक एवं औधोगिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही जगह-जगह से गुजरने वाली 33 केव्ही की लाइनों की लंबाई कम होगी, वोल्टेज सही मिलेगा एवं ट्रिपिंग एवं अवरोध कम होगा।

श्री सिंधिया ने कहा कि लगभग 1180 करोड रूपये की लागत से एलिवेटेड रोड बनाई जा रही है। नया एयरपोर्ट बन रहा है, इसके साथ ही 1000 बिस्तर का भव्य अस्पताल बन चुका है। शहर में भव्य रेलवे स्टेशन बनने जा रहा है। सिविल अस्पताल हजीरा व मुरार अस्पताल का आधुनिकीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक ग्वालियर के निर्माण के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है। आगे चलकर पूरा मध्यप्रदेश ग्वालियर की तरफ देखेगा। उन्होंने सभी को ग्वालियर को स्वच्छता में प्रथम स्थान पर लाने के लिये स्वच्छता की शपथ भी इस अवसर पर दिलाई और नारा दिया हमारा ग्वायिलर स्वच्छ ग्वायिलर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि श्रमिकों से यह वादा किया गया था कि आपके ऊपर से छत नहीं छिनने देंगे, वह पूरी शिद्दत के साथ पूरा किया जा रहा है। मेरा प्रयास है कि 2023 में सभी श्रमिकों को उनका भुगतान भी हो जाए। आज लाइन नम्बर 1, 2, 3, 8 व असिस्टेंड लाइन के 181 श्रमिकों को पट्टे देने का कार्य किया जा रहा है। बाकी के पट्टे भी जल्द वितरित किए जायेंगे। इसके साथ ही कहा कि जो आवासीय लाइनें बचीं है उनके न्यायालयीन प्रकरण निपटते ही उनको भी पट्टे देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही कहा कि आज फूलबाग पर प्रदेश के तीसरे 132 केव्ही जीआईएस तकनीक से बनाये जा रहे विद्युत उपकेन्द्र का भूमि पूजन किया गया है। इससे क्षेत्र की लगभग एक लाख आबादी को 30 वर्षों तक वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी। विद्युत उपकेन्द्र तक मोनोपोल के द्वारा विद्युत लाइन पहुंचेगी। इसके साथ ही दो और विद्युत सब स्टेशन 132 केव्ही कंपू एवं 132 केव्ही बिलौआ में बनाये जाएगें। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि विद्युत की समस्या हल करने के लिये सरकार द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

ग्वालियर मेला परिसर स्थित कला मंदिर रंगमंच पर आयोजित हुए मेले के भव्य उदघाटन समारोह में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी वर्चुअली रूप से जुड़े। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उदघाटन समारोह में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, संत कृपाल सिंह तथा सर्वश्री अभय चौधरी, कौशल शर्मा, रामबरन सिंह गुर्जर व रमेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे।

हलदर किसान यूनियन ने मुख्यमंत्री के नाम एटा प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

● सोनू कुमार माथुरपुष्पांजली टुडे, एटा

एटा भारतीय हलधर किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धीरेन्द्र सोलंकी जो एवं राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव श्री सिंह भदौरिया जी के निर्देशानुसार बुंदेलखंड के किसानों की समस्या का समाधान करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को निवेदन पूर्वक ज्ञापन प्रेरित है। जिसमें पांगों को शामिल किया जा रहा है, - भारी बारिश से किसानों की फसल नष्ट हो गयी है, सरकार के आसासन देने के बाद भी माकार के द्वारा कोई की महायता राशि प्रदान नहीं की गयी।. किसान की खेती हूं जो की रहमतों पर खाद उपलब्ध होना और खाद को सचिवों के द्वारा रात्री में पुजीपतियों को कालाबाजारी करना।. ट्रैक्टर ट्रालाच किसान एक ट्राली में कान बेचने के लिए मंडी ले जाना और किसान का ट्रैक्टर ट्राली का प्रशासनिक अधिकार के माध्यम से 4. यदि आवारा छुट्टाछूटेनीलगाय आदि को रोकने के लिए अपने खेत में कटीले तार लगाने पर चालान करना। किमान के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है इसके लिए आवारा पशु को रोकने के लिए सरकार ने मांग की जाती है कि गौशालाओं की उचित देखभाल करना क्यों किसको राज में छोड़ दिया जाता है जिसमे विमान की फसल नष्ट हो जाती है। लाइनमैन के द्वारा बिजली के बिल भेजना नेल पर मीटर लगाकर तागत से ज्यादा बिल भेजना किसान को छटे से कम 5-6 घंटे की सप्लाई करना इसके लिए मुख्यमंत्री जी से की जाती विमानों के साथ अन्याय न हो क्योंकि इलेक्शन के दौरान आपने मंच से घोषणा की थी कि कान को माफ की जायेगी जो आजतक नहीं की गई है का पर अमल किया जाये।. प्रशासनिक अधिकाधिक लक्ष को किसान संगठन यूनियन को किसानों को हड़काते है दबाब बनाते है ऐसे अके माननीय श्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से निवेदन है कि जब आपके अधिकारी किसान का सम्मान नहीं करेगे तो आपका किसान सभ्यमनितिका अध्यक्ष होगा क्या साबित करता है जब प्रशासनिक अधिकारी किसान का अपमान कर रहे हैं ऐसे पदाधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करे 2. माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जो से निवेदन है कि किसानों की तरफ न्याय करने की कृपा करे बारिश में हुई फसल बर्बाद को उचित बाबा दिलाने की कृपा करें खाद सरकारी समिति के किसी सक्षम अधिकारी से जब कराकर मक्षम अधिकारी के सामनेखाद वितरण कराया जाये, जो बिजली के बिल डबल भेजे जा रहे है ऐसे फर्जी बिलों को सही कराया जाये। किसान आयोग का गठन किया जायें।. किसान एक बार कर्जा मुक्त किया जाये। चर्म से ऊपर जीवन यापन करने वाले बुजुर्ग किसान को रु.10000/- मासिक भत्ता दिया जाये जिससे किसान अपने खान-पान का पोषण कर सके। इन समस्त किसान हितैषी पर विचार करते हुए तत्काल कार्यवाही में तो आपकी अतिकृपा होगी ।

संगठन के 50 वर्ष होने पर मनाया दीपोत्सव महोत्सव

● सोनू कुमार माथुर पुष्पांजली टुडे, एटा

एटा युवा उधोग व्यापार मंडल (मिश्रा गुट) के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में स्वर्ण जयंती दीपो उत्सव जगह-जगह मनाया जा रहा है, स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष में आज एटा नगर में जगह-जगह आतिशबाजी एवं दीप प्रज्वलन का अयोजन किया , और हर व्यापारी ने दुकान पर दीप जलाए , सभी व्यापारियों ने मिलकर घंटाघर पर दीप जलाकर और आतिशबाजी चलाकर 50 वर्ष पूर्ण होने पर व्यापार मंडल के इस उत्सव को बड़ी धूम-धाम से मनाया , युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सुजीत देव वार्ष्णेय उर्फ पिंकी भैया ने सभी व्यापारियों का आभार प्रकट किया, ऐसे ही कार्यक्रम पूरे नगर में सब्जी मंडी, हाथी गेट, पीपल अड्डा, पुरानी बस्ती, ठंडी सड़क, जीटी रोड, आदि स्थानों पर प्रभारी नियुक्त करते हुए उनके द्वारा दीप उत्सव कार्यक्रम कराया गया जिसमे जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष संजीव जैन उर्फ राजू, जिला महामंत्री राकेश वासनी चकोरी ,कोषाअध्यक्ष प्रसून वार्ष्णेय, अनवार पान वाले, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत गुप्ता ,प्रदीप भामाशाह ,राकेश वार्ष्णेय गिलेट वाले ,नीरज गुप्ता हार्डवेयर ,डोबी जैन ,गणेश वार्ष्णेय अतुल राठी, अमित गुप्ता, गोपाल , चंद्रपाल वार्ष्णेय, विशाल ,इंतजार घड़ी वाले, डेविड जैन, आदि व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की कार्यकारिणी बैठक में मुरैना जिलाध्यक्ष बने पुष्पेंद्र सिंह तोमर

● उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

मुरैना। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक मृगनयनी गार्डन मुरैना में संपन्न हुई जिसमें सभी कार्यकारिणी क़ी घोषणा क़ी गईकार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह तोमर राष्ट्रीय सचिव छोटे सिंह भदौरिया युवा प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदौरिया पदाधिकारी उपस्थित रहे। सुरेंद्र सिंह तोमर के मुरैना क़ी टीम का गठन किया गया मुरैना ज़िलें क़ी कमान पुष्पेंद्र सिंह तोमर को दीं गई उसके बाद पुष्पेंद्र सिंह तोमर ने समस्त मुरैना क़ी टीम का गठन किया। जिसमें राजीव राजेन्द्र सिंह सिकरवार, रणवीर सिंह तोमर, विवेक सिंह तोमर,बालीस्टर सिंह तोमर करैला पुरा, राकेश सिंह जादौन 7 शिशुपाल सिंह तोमर गम्भीर सिंह तोमर, मनमोहन सिंह तोमर, भंवर सिंह तोमर, नरेश सिंह परमार,राजवीर सिंह तोमर, अशोक सिंह जादौन श्री सतेन्द्र सिंह राजावत, कुलेन्द्र सिंह धाकरे, योगेन्द्र सिंह तोमर,शैलेन्द्र सिंह तोमर सरसी, विक्रम सिंह सिकरवार विजय सिंह परमार, गोविन्द सिंह सेंगर श्री रामपाल सिंह तोमर, पुष्पेन्द्र सिंह तोमर मनोज सिंह तोमर, सुनील सिंह जादौन गजेन्द्र सिंह परमार, अजवेन्द्र सिंह तोमर श्री भीम सिंह तोमर, दीपराज सिंह भदौरिया श्री प्रबल प्रताप सिंह जादौन श्री पंकज सिंह तोमर रवीन्द्र सिंह सिकरवार,गणेश सिंह तोमर, सुरजीत सिंह जादौन, बृजेन्द्र सिंह परमार, अर्जुन सिंह सिकरवार, राकेश सिंह भदौरिया, आदित्य सिंह सिकरवार, आशु राजा सिसौदिया, मोनू तोमर पीपरी पुरा,राजवीर सिंह परमार अजय सिंह तोमर, सुनील सिंह परमार श्री उमेश सिंह तोमर भिडौसा, संजय सिंह सिकरवार, विनोद सिंह तोमर श्री सतेन्द्र सिंह तोमर सिलावली,पहलवान भवानी सिंह तोमर, अजीत सिंह तोमर श्री दुश्यंत सिंह तोमर श्री रामवीर तोमर, राजेश सिंह तोमर श्री रवि प्रताप सिंह तोमर श्री शैलेन्द्र सिंह तोमर गुड्डू तोमर जनक सिंह तोमर राजेश परमार मुकेश परमार छोटे सिंह सतेन्द्र सिंह कल्ले तोमर अर्जुन सिंह जनक सिंह तोमर जगदीश सिंह आशीष तोमर पूर्व जिलाध्यक्ष मुरैना श्री वेदप्रकाश सिंह तोमर एवं श्री सत्यवीर सिंह तोमरश्री अर्जुन सिंह तोमर पूर्व पार्षद आदि कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

संतो के जीवन से लें प्रेरणा

बोले बिहसि महेश तब ग्यानी मूढ़ न कोई।
जेहि जस रघुपति करहिं जब सो तस तेहि छन होई।

श्री रामचरितमानस की उपरोक्त चौपाई को आधार मानकर समाज सेवा टीम सेवढ़ा निरंतर सामाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता कर रही है।चाहे गौ सेवा हो, सफाई अभियान हो, वृद्ध जन सेवा हो, दीन दुखियों की सेवा हो, या सनकुआ धाम या देश के अन्य धार्मिक स्थानों पर होने वाले कार्यक्रम हों सभी में अपना योगदान देने का प्रयास करती है ।

समाज सेवा टीम सेवा समिति के अध्यक्ष सम्मानीय श्यामू भाई के जीवन के तीन सिद्धांत हैं

पहला यह है कि यदि किसी को लाभ न पहुंचा सके तो हानि भी न पहुंचावे ।

दूसरा यह कि यदि किसी को प्रसन्न न कर सके तो अप्रसन्न अथवा दुखी न करें ।

और तीसरा यदि किसी की प्रशंसा न करना चाहें तो उनकी कोई बुराई भी न करें ।

इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर अपनी टीम को आगे की ओर अग्रसर करते रहते हैं ।

उपरोक्त विचारों एवं क्रियाकलापों से सिद्ध होता है कि उनका हृदय सन्त हृदय ही है।

जब मेरी श्यामू भाई से मुलाकात हुई तो उन्होंने बताया कि मैंने अब तक 1221 संतो के दर्शन कर लिए हैं और मेरा लक्ष्य5100 संतो के दर्शन करने का है, गजब की बात तो ये है कि उन्हें 1221 संतो के नाम मुंह जुवानी याद हैं और कहां पर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया वह समय, वह जगह भी याद है । श्यामू भाई बहुत ही ऊर्जावान व समाज प्रिय व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं । श्यामू ठाकुर बताते हैं जैसे पत्नी के लिए पति, प्रजा के लिए राजा, और बीमार के लिए डॉक्टर चाहिए वैसे ही आत्मा के कल्याण के लिए महात्मा चाहिए, संत दर्शन करने से आत्मशांतिमय एवं ऊर्जावान व्यक्तित्व बनता है संत हमें प्रेरणा देते हैं सहजता की और धैर्यता की, इस

प्रेरणा को आगे बढ़ाकर संत दर्शन का जीवन में पुनीत कार्य कर सदैव संतों का सम्मान करें। आगे भी संत दर्शन करने का अभियान श्यामू ठाकुर द्वारा चलाया जा रहा है वह निरंतर चलता रहेगा और हमारे जो संत देवता हैं उनके सम्मान के साथ ही वृद्धजनों का सम्मान भी जीवन पर्यंत चलता रहेगा। जय संकुआ धाम

भगवान राम के जीवन काल की कथा सुन झूमे श्रद्धालु

● उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर के शताब्दिपुरम स्थित श्री दंदरौआ धाम में आयोजित श्री राम कथा में कथा व्यास द्वारा रामभक्तों को भव्य एवं संगीतमय कथा का रसपान कराया जा रहा है कथा सुनकर भक्त भाव विभोर हो गए। विगत 24 दिसम्बर से श्री राम कथा का आयोजन शुरू हुआ यह कथा आठ दिन तक चलेगी। कथा व्यास पंडित श्री सच्चिदानंद जी महाराज जीने श्री राम के जीवन काल का गुणगान बहुत ही संगीतमय अंदाज में कराया। कथा का आयोजन मुख्य रूप से अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के सानिध्य मे किया जा रहा है कथा पारीक्षत श्रीमती शीला श्री हरगोविंद दंडोतिया निवासी ग्राम बहुआ को बनाया गया है। कथा में विगत दिवस श्री श्री 1008 श्री राम दास जी महाराज दंदरौआ धाम भिण्ड ने कथा का रसपान किया एवं अपने शिष्य कथा व्यास को आशीर्वाद प्रदान किया। कथा में कई लोग समाजसेवी श्री राम भक्त श्री दंदरौआ हनुमान जी भक्त भूपेंद्र कटारे शिक्षक विनीत शर्मा आशीष दंडोतिया गिर्राज दंडोतिया शिवानंद शर्मा विकास शर्मा अमर शर्मा संजीव समाधिया सुनील पचौरी संजीव शर्मा पत्रकार दीपक शर्मा दीपू पंडित जी शिवकांत शर्मा शिवम कटारे सत्यम धैर्य,धनंजय कौशिक तथा समस्त शताब्दीपुरम निवासी लोगों ने श्री हनुमान जी महाराज दंदरौआ धाम शताब्दीपुरम ग्वालियर की महिलाओं और बेटियों श्री महाराज जी ने कहा कि श्रीराम कथा ब्रह्म विद्या का विज्ञान है । यह व्यक्ति को भावमय जीवन की ओर ले जाकर परमात्मा का चिंतन कराता हुआ, परमात्मा की प्राप्ति सहज रूप से करा देता है, यही श्रीराम कथा शास्त्र की विशेषता है। श्री राम ज्ञानदीप है, श्री राम भगवान की शब्द मूर्ति है, अमृतसर अमृतसर की कथा सुनने मात्र से जीव के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।

सफलता की कहानी

बाला प्रसाद ने स्थापित की जिले की प्रथम आंवला प्रसंस्करण इकाई

● गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे

पन्ना जिले में एक जिला-एक उत्पाद योजना में चयनित आंवला एवं आंवला उत्पाद को बढ़ावा देने एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से युवाओं को आंवला प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इस क्षेत्र में स्वरोजगार के इच्छुक उद्यमियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। साथ ही सफल उद्यमी बनने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में बैंक ऋण के माध्यम से 35 प्रतिशत अथवा अधिकतम 10 लाख रूपए का ब्याज अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा पन्ना के आंवला को जीआई टैग दिलाने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम मोहन्द्रा के कृषक बाला प्रसाद कटेहा ने योजना का लाभ लेकर मोहन्द्रा में श्री सिद्ध बाबा ट्रेडर्स नाम से जिले की पहली प्रसंस्करण इकाई शुरू की है। इसके माध्यम से आंवला मुरब्बा, अचार, पाउडर, कैंडी इत्यादि तैयार करेंगे। बाला प्रसाद ने ग्राहकों तक उत्पाद की सुलभ उपलब्धता एवं बाजार में उत्पादों के विक्रय का प्लान भी बनाया है। इसके पहले कृषक बाला प्रसाद ने अपनी 2 हेक्टेयर जमीन में टिश्यू कल्चर तकनीक अपनाकर अनार का बंपर उत्पादन भी किया है। अब भारतीय स्टेट बैंक मोहन्द्रा शाखा द्वारा स्वीकृत 4 लाख 30 हजार रूपए के लोन से आंवला प्रसंस्करण की यूनिट की स्थापना की है। 45 वर्षीय कृषक गत 5 जून को उत्तराखण्ड बस त्रासदी में अपने परिवार के सदस्यों को खो चुके हैं। इसके बावजूद दृढ़ इच्छा शक्ति की बदौलत स्वरोजगार इकाई की स्थापना कर सफल उद्यमी एवं नवाचारी कृषक बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसका विस्तार करेंगे एवं अन्य युवाओं को भी रोजगार प्रदान करेंगे। वे कहते हैं कि सभी पात्र युवाओं को सरकारी योजना की मदद से सफल उद्यमी बनने के लिए प्रयास करना चाहिए। कृषक बाला प्रसाद कटेहा ने सहायक संचालक उद्यान पी.के. श्रीवास्तव द्वारा यूनिट स्थापना के लिए विभाग से हरसंभव मदद के लिए आभार जताया। साथ ही शासन की इस महत्वांकाक्षी योजना की सराहना भी की। उनका कहना है कि पन्ना के आंवला की ख्याति दूर-दूर तक है। अब आंवला उत्पाद के लिए भी पन्ना जाना जाएगा।

कांग्रेस ने जनचोपाल में सावित्री बाई फुले जयंती मनाई, जनता की समस्याओं को सुना

अंतिम छोर के व्यक्ति के सपनों को पूरा करना कांग्रेस का लक्ष्य : विधायक डा.सिकरवार

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, ग्वालियर

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में आज अनेक स्थानों पर कांग्रेस पार्टी द्वारा गांधी जन चोपाल का आयोजन कर शिक्षाविद सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई गई और आम जनता की समस्याओं को भी सुना और उनके निराकरण करने की बात कही । इस मौके पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष डा.देवेंद्र शर्मा और विधायक डा.सतीश सिकरवार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 20 के रणधीर कॉलोनी, वार्ड 21 के दुल्हपुर मेला ग्राउंड और वार्ड 59 के लभेड़पुरा में गांधी जनचोपाल के आयोजन में सावित्री बाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया । इस मौके पर विधायक डा.सतीश सिकरवार ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा का रास्ता अपनाकर अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया और समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के सपनों को पूरा करने का मार्ग कांग्रेस पार्टी के माध्यम से दिखाया । हजारों कांग्रेस जनों और नोजबानों के बलिदान से देश आजाद हुआ और विकास के रास्ते पर आगे बड़ा । आज हम सब शिक्षाविद सावित्री बाई फुले को याद कर रहे हैं ।उन्होंने सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया और हर वर्ग को शिक्षित करने पर जोर दिया। हम सब आज उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते ही हैं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा हर जिले में गांधी जनचोपाल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं ओर सावित्री बाई फुले जयंती भी हम मना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कहा की हमे अपने कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा की करनी और कथनी को

चौपाल लगा आम जन की समस्याओं को सुना

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 60 में मुन्नीलाल जोशी के घर के पास सिंधिया नगर, वार्ड क्रमांक 58 में मुक्तानंद आश्रम मंदिर हरिशंकरपुरम एवं वार्ड क्रमांक 22 में अशोक कॉलोनी तोमर स्कूल में कांग्रेस पार्टी द्वारा गांधी जन चौपाल का आयोजन कर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आम जन की समस्याओं को सुना और तुरन्त संबधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, जिला संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुर्जर, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद प्रमोद खरे, सत्यभान चौहान, महेन्द्र शर्मा 'विक्की', महादेव अपोरिया, विष?णु नायक शास्त्री, सुनील रमपुरिया, सुखवीर तोमर, हिमांशु कीकन, आदित्य सेंगर, अनूप शिवहरे, सुनील गुप्ता 'कक्का', अनिल शर्मा 'बिट्टू', श्रीमती गीता गुप्ता मौजूद रहे। जनचौपाल में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने जनता को संबोधित करते हुये कहा कि कांग्रेस का इतिहास त्याग और बलिदान से परिपूर्ण है और कांग्रेस ने देश के चहुँमुखी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, श्रीमती इंदिरा गांधी एवं राजीव गांधी ने देश में अनेक क्रांतिकारी कदम उठाकर देश को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का काम किया। आज देश में फासिस्ट वादी ताकतें देश को तोडने और भाई से भाई को लड़ाने के साथ समाज में नफरत फैलानें का काम कर रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी देश की एकता, अखण्डता और सामाजिक सद्भाव बनाये रखने के लिये देश में भारत जोड़ो यात्रा कर रहे है, जिससे भारी जनसमर्थन मिल रहा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि सत्ता रूढ भाजपा विकास में बाधक बन रही है, भाजपा की करनी और कथनी जनता के बीच उजागर हो चुकी है और कांग्रेस पार्टी की नीति-रिति जनता के बीच जाकर उनके सुख-दुख: में हमेशा खड़े रहना है। कांग्रेस पार्टी सर्वहारा वर्ग के हितों के संरक्षण के लिये काम करती है।

जनता के बीच उजागर करना है।जनचोपल कार्यक्रम में जनता को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ना है और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर करना है। वार्ड 33 में भी सावित्री बाई फुले जयंती मनाई गई।

भिंड जोशी परिवार द्वारा धूमधाम से मनाया
लाल बत्ती सरकार का जन्मोत्सव

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, भिण्ड

लाल बत्ती सरकार मोतीराम बाबा का जन्मोत्सव 1 जनवरी को नव वर्ष के प्रथम दिन जोशी नगर इटावा रोड भिंड जोशी परिवार के द्वारा पूर्व की भांति इस बार भी धूमधाम से मनाया गया लाल बत्ती सरकार के जन्मोत्सव के अवसर पर जिला कलेक्टर सतीश कुमार एस पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे माननीय जिला दंडाधिकारी के द्वारा अपने विचार प्रकट करते समय इस विषय पर कहा कि एक मानव को दूसरे मानव के काम आना चाहिए मदद करनी चाहिए तभी देश की समाज की व्यवस्था बनी रह सकती है जोशी परिवार के द्वारा यह आयोजन समाज के लिए एक मार्गदर्शन साबित हो रही है हम अधिकारियों को भी ऐसे आयोजन में जाने में बहुत ही प्रसन्नता होती है माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा कहा गया कि जिस प्रकार श्रीराम ने गिलहरी को अपने हाथ में लेते हुए कहा था इसका योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि एक बड़े कार्य करने वाले योगदान देने वाले व्यक्ति का है इसलिए हमें छोटे से सामाजिक कार्यों से सीख लेनी चाहिए और ऐसे आयोजन करते रहने चाहिए जिससे नर से नारायण की सेवा की परिकल्पना साकार होती है जोशी परिवार के द्वारा पूर्व में भी मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस महानिरीक्षक राजा बाबू सिंह आईपीएस को बुलाकर मुख्य अतिथि के रुप में बुलाया गया था सभी को सर्वविदित है कि जोशी परिवार विगत 24 वर्षों से लाल बत्ती सरकार का जन्मोत्सव इसी प्रकार से मनाता चला

आ रहा है जिसमें साधु संत गरीब निर्धन व्यक्तियों को इस भरी सर्दी में कंबल वितरित करने का कार्य किया जाता है जिसमें हजारों की संख्या में साधु संत गरीब व्यक्ति आते हैं इस बार 2000 साधु संत गरीब व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए घर में बिठाकर भोजन प्रसादी कराई गई एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया जोशी परिवार भिंड जिले में इस पुनीत कार्य करने में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं सबसे बड़े सदस्य दशरथ जोशी शिव मोहन जोशी सतीश जोशी मनोज जोशी अधिवक्ता आरके जोशी उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में वकालत का व्यवसाय करते हैं आशीष जोशी हिमांशु जोशी दीपक जोशी राजा जोशी आदेश जोशी प्रिंस जोशी पूरे परिवार ने संतों की सेवा की कंबल वितरित किए इस पुनीत कार्य में नववर्ष की शुरुआत जिस प्रकार से जोशी परिवार करता है निश्चित ही यह समाज को एक अच्छा आईना दिखाने का कार्य है निश्चित ही मानव रूपी शरीर परमात्मा के ध्यान के लिए एक मानक के दूसरे मानव की सेवा करने के लिए दिया है जो कि जोशी परिवार द्वारा निश्चित ही समाज के लिए एक निरंतर अच्छा प्रयास है नेक कार्य है।

राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह मेघवाल

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, राजस्थान

राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह मेघवाल को आज कौन नहीं जानता है। प्रिया सिंह ने जब से थाईलैंड में आयोजित 39वीं अंतरराष्ट्रीय महिला बॉडी बिल्डर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल लिया है तब से सोशल मीडिया में छाई हुई हैं। पर लोगों को ए नहीं पता है कि प्रिया सिंह ने कितना संघर्ष किया है।

प्रारंभिक जीवन

राजस्थान के बीकानेर में रहने वाली प्रिया सिंह का विवाह 8 साल की उम्र ही हो गया था। जिस उम्र में लडकियॉ खेलकूद में व्यस्त रहती है। प्रिया सिंह उस उम्र में ग्रहस्थ आश्रम में प्रवेश कर चुकी थी। प्रिया सिंह जिस संस्कृति से आती हैं वहॉ सिर्फसाडी और सूट का ही रीति रिवाज था।

लक्ष्य

प्रिया सिंह का तो लक्ष्य ही कुछ ओर था। उन्होंने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के ताने सुने। क्योंकि प्रिया सिंह जिस क्षेत्र से आती हैं उस क्षेत्र की बहुओं को घूघंट में ही रहना पडता था और घूंघट में ही मरना। पर प्रिया सिंह ने समाज की परवाह किए बिना ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निकल पडी। प्रिया सिंह ने प्रारंभ में जिम ट्रेनर के रूप में नौकरी की और अपने परिवार का भरण पोषण किया । कद और काठी की ठीक होने के कारण प्रिया सिंह का सिलेक्शन जिम ट्रेनर के रूप में हो गया। अब शुरू हुआ प्रिया सिंह का संघर्ष। आप समझ सकते हो कि एक महिला बॉडी बिल्डर को पुरूषों की अपेक्षा अधिक संधर्ष करना पडता है। प्रिया सिंह को जिम में पहलवान के नाम पुकारते थे।

पदक की शुरूआत

राज्य स्तर पर प्रिया सिंह ने लगातार तीन बार स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। प्रिया सिंह राजस्थान बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में मिस राजस्थान 2018,2019 और 2020 में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

अंतरराष्ट्रीय सफर

18 दिसंबर 2022 को थाईलैंड में आयोजित 39वीं अंतरराष्ट्रीय महिला बॉडी बिल्डर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल के साथ प्रोकार्ड भी अपने नाम कर लिया। प्रिया सिंह ने समाज की साडी और घूंघट की परंपरा तोडकर अपना सपना पूरा किया और सभी समाज को चुनौती दी है कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। सूत्रों के अनुसार प्रिया सिंह ने कहा है कि जिस तरह यहां तक सफर तय किया है,उसी तरह मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य को पाने के लिए आगे भी सफर तय करेंगी।

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुज गुप्ता डायरेक्टर रोटरी क्लब
एटा मोबाइल 9719909696

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

अंकुर जैन (जैन पॉपुलर)
सुभाष मार्ग एटा मोबाइल 9457997684

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

अनंत गुप्ता (अंतु) स्मार्ट शॉप, स्मार्ट किंग, स्मार्ट फर्नीचर एटा मो
9837588002

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

नीरज गुप्ता अध्यक्ष
रोटरी क्लब एटा नीरज हार्डवेयर गांधी मार्केट
एटा मो 9837065762

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मानसिंह कुशवाहा
जिला अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी भिण्ड

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

निश्चल शर्मा बॉबी
सरपंच चाचर अटेर

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

विश्वदीपक शुक्ला एडवोकेट
जिला औरैया उत्तरप्रदेश

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

गौरव चतुर्वेदी संवाददाता
राष्ट्रीय सहारा दिवियापुर उप्र

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

रवि प्रताप सिंह तोमर, संचालक
चंद्रवंश ट्रांसपोर्ट मुरैना

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

सत्यवीर सिंह तोमर, संचालक
सरस्वती प्रकाशन मुरैना

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

बलवीर सिंह गुर्जर
कृष्णा स्नैक्स पॉइंट प्लेटफार्म नंबर 1 के बाहर मुरैना

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

सौरभ शिवहरे
सीनियर एरिया बिज़नेस मैनेजर
सिप्ला लिमिटेड

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

योगेंद्र सिंह तोमर
कटेला पूरा अम्बाह जिला मुरैना
कारगिल भारत पाकिस्तान युद्ध 1999 के विजयी योद्धा

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

शिवराज सिंह तोमर पटवारी
हल्का बढ़ोखर मुरैना

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

सामंत सिंह तोमर
बजरंग डेयरी पुरावस अम्बाह जिला मुरैना

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मकर संक्रांति

साजन देव वार्ष्णेय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा
भारतीय हलधर किसान यूनियन 9837316446

नये भारत के निर्माता थे स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी,1863 में हुआ। नरेन्द्र ने अपने परिवार को 25 की उम्र में छोड़ दिया और एक साधु बन गए। स्वामी विवेकानन्द का जन्म दिन भारत में युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसमें कोई शक नहीं कि स्वामीजी आज भी अधिकांश युवाओं के आदर्श हैं। उनकी हमेशा यही शिक्षा रही कि आज के युवक को शारीरिक प्रगति से ज्यादा आंतरिक प्रगति की जरूरत है। वे युवकों में जोश भरते हुए कहा करते थे कि उठो मेरे शेरों! इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नया भारत निर्मित करने की बात कर रहे हैं, उसका आधार स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाएं एवं प्रेरणाएं ही है। मोदी स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं। भारतीय संस्कृति एवं स्वामीजी की सोच को विश्वव्यापी विस्तार देने की प्रक्रिया के लिये आज मोदी निरन्तर अथक प्रयास कर रहे हैं।

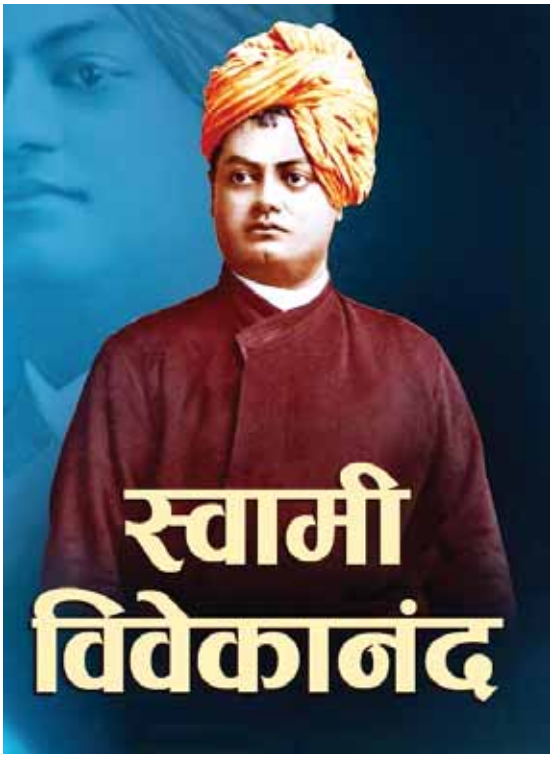

जब से उन्होंने देश की बागडोर अपने हाथों में ली है, तब से सनातन संस्कृति की शिक्षा को आधार मानते हुए इसके प्रसार के लिए वे 'अग्रदूत' की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। नरेन्द्रनाथ से नरेन्द्र मोदी की नया भारत बनाने की यह यात्रा भारत के सशक्तिकरण एवं विश्वगुरु बनने की प्रक्रिया है। भारत को आर्थिक एवं भौतिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से शक्तिसम्पन्न राष्ट्र बनाने का सफल प्रयत्न करने वाले महानायक का नाम है स्वामी विवेकानन्दजी। वे एक सिद्धपुरुष एवं संस्कृतिपुरुष थे। नैतिक मूल्यों के विकास एवं युवा चेतना के जागरण हेतु कटिबद्ध, मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी, अध्यात्म दर्शन और संस्कृति को जीवंतता देने वाली संजीवनी बूंटी, भारतीय संस्कृति एवं भारतीयता के प्रखर प्रवक्ता, युगीन समस्याओं के समाधायक, अध्यात्म और विज्ञान के समन्वयक, वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु हैं स्वामी विवेकानन्द। स्वामी विवेकानन्द ने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में उनके प्रयासों एवं प्रस्तुति के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी जो आज भी भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ कर रहा है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। वे जहां आर्थिक समृद्धि के प्रबल समर्थक थे, वही लोकतांत्रिक मूल्यों को बल देने वाले महानायक भी थे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार ''लोकतंत्र में पूजा जनता की होनी चाहिए।

हिन्द केशरी श्री कारे सिंह पहलवान

भारत भूमि ने अनेक हिन्द केशरी पहलवानों को जन्म दिया है। उन हिन्द केशरी पहलवानों में से एक नाम है कारे पहलवान। कारे पहलवान का जन्म राजस्थान के भरतपुर जिला के कौरेर गॉव में एक जाट परिवार में हुआ था। इनकी लम्बाई 7 फुट 1 इंच थी और वजन 7 मन (लगभग 280 किलो) 30 किलो था। कुछ बुजर्गो का कहना है कि जब कारे पहलवान दंगल में कुश्ती लडने के लिए जाते थे तो वे शेर की तरह दहाडते थे। इन्होंने छोटी बडी मिलाकर कुल 57 कुश्तियॉ लडी और इन सभी कुश्तियों में विजय रहें। एक बार हिमाचल प्रदेश में एक भव्य दंगल का आयोजन हुआ। उस दंगल में पाकिस्तान के लाल वेग नामक पहलवान ने भी भाग लिया और वहॉ मौजूद सभी हिन्दू पहलवानों को चूनोती देने लगा । उसने कहा कि अगर कोई भी हिन्दुस्तानी पहलवान उसे हरा देगा तो वह पहलवानी छोड देगा। इस दंगल को देखने भरतपुर के राजा बृजेन्द्र सिंह जी भी मौजूद थे उन्हें पाकिस्तानी पहलवान की बात चुभ गई उन्होंने तत्तकाल कारे पहलवान को संदेशा भेजा और सारी बात बता दी। उस समय कारे पहलवान को कुश्ती छोडे लगभग 3 साल हो चुकी थी। राजा बृजेन्द्र जी का संदेश पाकर कारे पहलवान तत्तकाल हिमाचल के लिए रवाना हो गये। अगले दिन पाकिस्तानी पहलवान लाल वेग और हिन्दुस्तान के शेर कारे पहलवान की बीच कुश्ती प्रारंभ हुई लेकिन पाकिस्तानी पहलवान लाल वेग हमारे शेर के सामने 4 मिनट भी नहीं टिक पाया और अपना झुका हुआ सिर लेकर पाकिस्तान चला गया। उस दिन कारे पहलवान ने हमारे देश का नाम पूरे विश्व में फिर से ऊॅचा कर दिया।

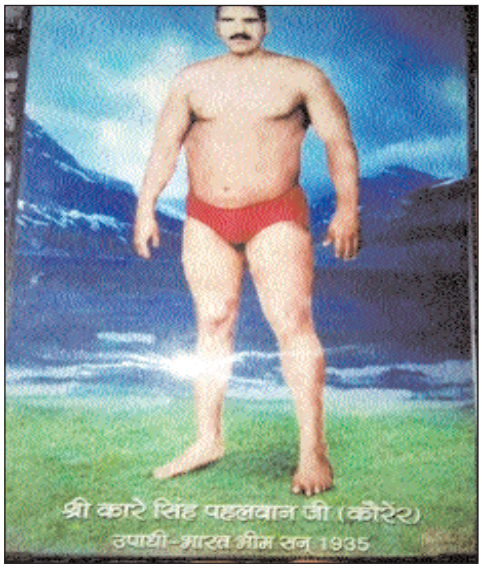

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

दिव्यम शुक्ला लॉ स्टूडेंट भिण्ड

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सौरभ कुमार
सचिव रोटरी क्लब एटा 9219507503

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सचिन गुप्ता
कोषाध्यक्ष रोटरी क्लब एटा
9897522232

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सतीश बाबू शर्मा
एडवोकेट एटा 9897349089

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रमोद कुमार दिवाकर
सदस्य क्षेत्र पंचायत आवागढ़ मोबाइल
70174124 26

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

उपेंद्र सिंह चौहान वरिष्ठ लिपिक पेशकार
जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय एटा मोबाइल
नंबर 9627321806

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सत्यवीर सिंह दिवाकर उप प्रधानाचार्य
अविनाश सहाय आर्य इंटर कॉलेज
एटा 91 49160 341

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेंद्र कुमार दिवाकर जिला महामंत्री
भाजपा एटा मो 9927081964

नववर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

कीर्ति जैन विकास
साड़ी एंपोरियम गांधी मार्केट एटा 9997579199

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पर्व है मकर संक्रांति

भारतीय संस्कृति में माघ माह की कृष्ण पंचमी को अर्वाचीन समय से मकर संक्रांति का पर्व न केवल भारत में वरन विदेशों में भी पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ विविध परम्पराओं के साथ मनाया जाता है। पवित्र नदियों एवं जलाशयों में स्नान व पूजा कर दान करना सौभाग्य वृद्धि का प्रतीक माना जाता है। तिल, गुड़, इनसे बने पकवान, खिचड़ी, वस्त्रों का विशेष रूप से दान दिया जाता है। यह एक पौराणिक पर्व है जिस के बारे में अनेक कथाएं और परंपराएं प्रचलित हैं। इसी दिन मलमास भी समाप्त होने तथा शुभ माह प्रारंभ होने के कारण लोग दान-पुण्य से अच्छी शुरुआत करते हैं। इस दिन को सुख और समृद्धि का माना जाता है। सूर्य पूजा इस पर्व पर करने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है।

हमारे पर्वों में सूर्य-चंद्र की संक्रांतियों और कुम्भ का अधिक महत्व है। सूर्य संक्रांति में मकर सक्रांति का महत्व ही अधिक माना गया है। मकर संक्रांति में मकर शब्द का अर्थ मकर राशि का प्रतीक है जबकि %संक्रांति% का अर्थ संक्रमण अर्थात प्रवेश करना है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरे में प्रवेश करने की इस संक्रमण क्रिया को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है इसलिए इस समय को मकर संक्रांति% कहा जाता है। हिन्दू महीने के अनुसार पौष शुक्ल पक्ष में मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण में आता है। सूर्य के आधार पर वर्ष के दो भाग हैं। एक उत्तरायन और दूसरा दक्षिणायन। इस दिन से सूर्य उत्तरायन हो जाता है। उत्तरायन अर्थात उस समय से धरती का उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है, तो उत्तर ही से सूर्य निकलने लगता है। सूर्य 6 माह सूर्य उत्तरायन रहता है और 6 माह दक्षिणायन। अत- यह पर्व उत्तरायन के नाम से भी जाना जाता है। मकर संक्रांति से लेकर कर्क संक्रांति के बीच के 6 मास के समयांतराल को उत्तरायन कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने भी उत्तरायन का महत्व बताते हुए गीता में कहा है कि उत्तरायन के 6 मास के शुभ काल में जब सूर्यदेव उत्तरायन होते हैं और पृथ्वी प्रकाशमय रहती है, तो इस प्रकाश में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति का पुनर्जन्म नहीं होता, ऐसे लोग ब्रह्म को प्राप्त होते हैं। यही कारण था कि भीष्म पितामह ने शरीर तब तक नहीं त्यागा था, जब तक कि सूर्य उत्तरायन नहीं हो गया।

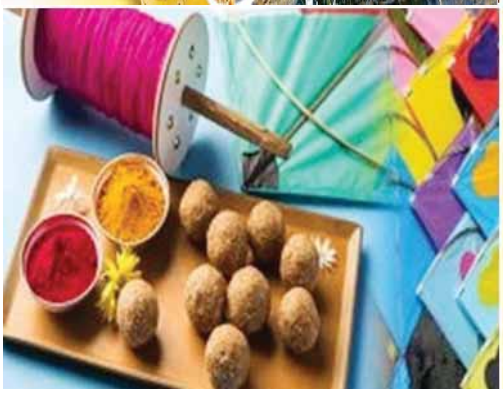

हमारे पर्वों में सूर्य-चंद्र की संक्रांतियों और कुम्भ का अधिक महत्व है। सूर्य संक्रांति में मकर सक्रांति का महत्व ही अधिक माना गया है। मकर संक्रांति में मकर शब्द का अर्थ मकर राशि का प्रतीक है जबकि संक्रांति का अर्थ संक्रमण अर्थात प्रवेश करना है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरे में प्रवेश करने की इस संक्रमण क्रिया को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है इसलिए इस समय को %मकर संक्रांति कहा जाता है। हिन्दू महीने के अनुसार पौष शुक्ल पक्ष में मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण में आता है। सूर्य के आधार पर वर्ष के दो भाग हैं। एक उत्तरायन और दूसरा दक्षिणायन। इस दिन से सूर्य उत्तरायन हो जाता है। उत्तरायन अर्थात उस समय से धरती का उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है, तो उत्तर ही से सूर्य निकलने लगता है। सूर्य 6 माह सूर्य उत्तरायन रहता है और 6 माह दक्षिणायन। अत- यह पर्व %उत्तरायन% के नाम से भी जाना जाता है। मकर संक्रांति से लेकर कर्क संक्रांति के बीच के 6 मास के समयांतराल को उत्तरायन कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने भी उत्तरायन का महत्व बताते हुए गीता में कहा है कि उत्तरायन के 6 मास के शुभ काल में जब सूर्यदेव उत्तरायन होते हैं और पृथ्वी प्रकाशमय रहती है, तो इस प्रकाश में शरीर का परित्याग करने से व्यक्ति का पुनर्जन्म नहीं होता, ऐसे लोग ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

मलाइका ने शादी पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने ओटीटी शो मूविंग इन विद मलाइका को लेकर बेहद सुर्खियों में हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में मलाइका ने अपनी दूसरी शादी को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने इस दौरान बातों ही बातों में अपनी बहन अमृता अरोड़ा से बताया कि वो जल्द ही शादी करने वाली हैं। लंबे समय तक अपनी डेटिंग की बात को छिपा कर रखने के बाद मलाइका और अर्जुन ने आखिरकार अपने रिलेशन को सबके सामने रखा। मूविंग इन विद मलाइका शो में मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ अपने रिलेशन पर बात की थी। इसी के साथ उन्होंने अपनी दूसरी शादी पर भी हिंट दिया था। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह कपल आने वाले साल में शादी कर लेगा।

सेतुपति संग नजर आएंगी कैटरीना

कैटरीना कैफ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैरी क्रिसमस' को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म में विजय सेतुपति भी नजर आने वाले हैं. क्रिसमस भी आ रहा है, तो ऐसे में कैटरीना ने अपनी अपकमिंग फिल्म का पहला पोस्टर फैंस के साथ शेयर किया है. साथ ही इस पोस्टर के जरिए कैटरीना ने फैंस का क्रिसमस का तोहफा भी दे दिया है. फैंस कैटरीना की पोस्टर फिल्म के फर्स्ट लुक की भी डिमांड कर रहे हैं. कैटरीना ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी इस आने वाली फिल्म का घोषणा कर दी है. फिल्म के पोस्टर के रूप में कैटरीना ने फैंस को क्रिसमत का गिफ्ट दिया दिया है और इसकी रिलीज डेट की भी ऐनाउंसमेंट कर दी है. कैटरीना कैफ इससे पहले फिल्म 'फोन भूत' में नजर आई थीं. अब अपनी अगली फिल्म के लिए भी कैटरीना कैफ ने पूरी तैयारी कर ली है. कैटरीना के फैंस भी उनकी अगली फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. यही वजह है कि कैटरीना की हालिया पोस्ट पर फैंस खूब रिएक्ट कर रहे हैं.

दांव पर दिग्गज सितारों की किस्मत

ए साल की शुरुआत हो चुकी है। बीता साल हिंदी सिनेमा के लिए बहुत खास नहीं रहा और कुल मिलाकर चार हिंदी फिल्में 'द कश्मीर फाइल्स', 'भूल भुलैया 2', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा' और 'दृश्यम 2' ही ऐसी रहीं जिन्हें दर्शकों का प्यार मिला। नए साल के पहले छह महीने और रोचक होने वाले हैं। इन छह महीनों में शाहरुख खान, सलमान खान, रणबीर कपूर, अजय देवगन, रणवीर सिंह, प्रभास और आयुष्मान खुराना की किस्मत के इम्तिहान होने वाले हैं। नए साल के पहले छह महीनों में जिन फिल्मों को लेकर हिंदी सिनेमा की धुकधुकी अभी से तेज है, चलिए उनके बारे में महीनेवार आपको जानकारी देते हैं नए साल के पहले महीने की 25 तारीख को रिलीज होने वाली शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की फिल्म 'पठान' पर पूरी दुनिया में बसे भारतीय फिल्मप्रेमियों की निगाहें टिकी हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की इस फिल्म से पहले 13 जनवरी को निर्देशक विशाल भारद्वाज और गायिका रेखा भारद्वाज के बेटे आसमान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म साल 2023 का दूसरा महीना बीते साल के दो हिट सितारों कार्तिक आर्यन और अजय देवगन के लिए काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। अल्लू अर्जुन की तेलुगू फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू' की रीमेक 'शहजादा' से कार्तिक आर्यन के फैनबेस का एक और इम्तिहान होने वाला है, इस फिल्म में उनके साथ कृति सैनन भी हैं। 10 फरवरी को रिलीज होने जा रही निर्देशक रोहित धवन की इस फिल्म के अलावा 17 फरवरी को अजय देवगन की अरसे से प्रतीक्षित स्पोर्ट्स बायोपिक 'मैदान' रिलीज होगी।

प्रदेशवासियों को नव वर्ष, मकर संक्राति की हार्दिक शुभकामनाएं

महाराज श्रीमंत
ज्योतिरादित्य सिंधिया जी को
जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं

मोहन सिंह राठौर

वरिष्ठ बीजेपी नेता

कार्यालय- जनसेवा केंद्र
विधानसभा 18 भितरवार

समस्त
प्रदेशवासियों को
नव वर्ष एवं मकर
संक्रांति पर्व की
हार्दिक
शुभकामनाएं

अशोक सिंह तोमर

छोटे भैया

प्रदेश उपाध्यक्ष

मप्र कांग्रेस कमेटी, ग्वालियर, मप्र

समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष एवं
मकर संक्रांति पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

देवेन्द्र पवैया

संचालक

प्रतिष्ठान

होटल सिटी पैलेस, ग्वालियर
शिवम कंट्रक्शन, ग्वालियर
E.C.S. BAGLESS SCHOOL
REGAL HOTEL
विनायक इंटरप्राइजेज
(अमूल डिस्ट्रीब्यूटर ग्वालियर)

रामश्री नगर

शनीचरा रोड,
एयरपोर्ट रोड के
पास ग्वालियर,
मध्य प्रदेश

गुड्डू बैस
संचालक

गणपति
कंट्रक्शन
कंपनी

के. के. त्यागी
संचालक

जी-1 ग्राउंड फ्लोर, कृष्णा अपार्टमेंट, कृष्णा नगर ग्वालियर

मा. शिवराम सिंह गौर
राष्ट्रीय अध्यक्ष

मा. सुरेन्द्र सिंह तोमर
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

देशवासियों
को मकर संक्रांति पर्व
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

मा. अशोक सिंह तोमर
राष्ट्रीय महामंत्री

मा. रामकुमार सिंह सिकरवार
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, मप्र

मा. महेन्द्र सिंह तोमर
जिलाध्यक्ष ग्वालियर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

छोटे सिंह भदौरिया

ग्राम कचोंगरा जिला भिण्ड

राष्ट्रीय अध्यक्षः पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन

राष्ट्रीय सचिवः अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

(सूर्या रौशनी कंपनी ठेकेदार) संपर्क 9755383340

॥ जय क्षात्र धर्म ॥

मा. शिवराम सिंह गौर
राष्ट्रीय अध्यक्ष

अ. भा. क्षत्रिय महासभा
माननीय श्री शिवराम सिंह गौर
मा.सुरेन्द्र सिंह तोमर
के निर्देशन पर

मा. सुरेन्द्र सिंह तोमर
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

पुष्पेन्द्र सिंह तोमर

(कुरेठा) को

अ.भा. क्षत्रिय महासभा जिला
मुरैना का अध्यक्ष
बनाऐं जाने पर

हार्दिक बधाई
शुभकामनाएं
एवं शीर्ष संगठन नेतृत्व का
आभार

निवेदक– अ.भा. क्षत्रिय महासभा मुरैना (म.प्र.)

2023
मकर संक्राति एवं
नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं

जनशक्ति वेलफेयर सोसायटी

अरूणेश सिंह भदौरिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

कार्यालयः फ्लैट नं डी-2 भागीरथ रेजिडेंसी, बैंक कॉलोनी,
गोले का मंदिर, ग्वालियर, संपर्क-9755593214

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

मानव सेवा परमो धर्म

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, बाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबंधित सीधी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत, (बन्टी)
संचालक

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 8889437489

NRE

NARAYAN RAJ ENTERPRISES

Web-narayanrajenterprises.in

narayanrajenterprises@gmail.com

OUR SERVICES ARE

- Gas Pipeline Building Construction Tower Installation
- Reliance Petrol Pump Installation
- Dumper Truck
- Supply For Coal Mines
- Real Estate
- Klean Basket Pond Establishment
- OLA Car Wash

Narayan Raj Enterprises

Manoj Kumar
CEO/MD

IOC Road, Sipara, Patna-800020, Bihar Phone: +91-94310 43807 Phone: +91-9431013490